आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 23 जनवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 76
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

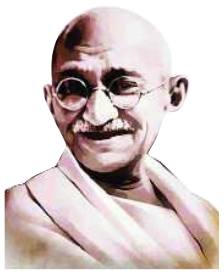

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

महू में गंदे पानी का प्रकोप, एक ही मोहल्ले के 25 लोग बीमार

पेज-2

प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई मानुषी छिल्लर ने

पेज-5

जू में बढ़ा बाघों का कुनबा, बाघिन ने 3 शावकों को दिया जन्म

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- गोवा नाइट क्लब अग्निकांड में ईडी की कार्रवाई, लूथरा ब्रदर्स के ठिकानों पर छापेमारी
- 26 जनवरी पर दिल्ली में गड़बड़ी की धमकी, खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ एफआईआर दर्ज
- ट्रंप ने कनाडा को भेजा 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्योता वापस लिया
- 'हर महीने मर रहे हजारों सैनिक... यूक्रेन युद्ध अब खत्म हो', जेलेंस्की से बातचीत के बाद बोले ट्रंप
- अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ से खुद को किया अलग, जिनेवा मुख्यालय के बाहर से अपना झंडा भी हटाया
- ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डिसिल्वा ने पीएम मोदी को किया फोन, द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई बात
- 'हमारी उंगलियां ट्रिगर पर', तनाव के बीच ट्रंप को ईरान ने चेताया
- यूक्रेन युद्ध को लेकर व्लादिमीर पुतिन से बात करने रूस पहुंचे ट्रंप के दूत
- यूपी : दोबारा बदले गए संभल के सीजेएम, अब दीपक जायसवाल को तैनाती
- ● फ्लाइट में बम की धमकी, पुणे में सुरक्षित उतरे सभी यात्री

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन के बाद अब संगठन मंत्रियों के बदलाव की बारी

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की मार्च में आयोजित होने वाली प्रतिनिधि सभा की बैठक के दौरान लिया जाएगा फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● भाजपा अब जल्द अपने संगठन मंत्रियों की भूमिका में बदलाव करने वाली है। इसका फैसला राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की मार्च में होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में किया जाएगा। इस बैठक में संघ भाजपा को नए पूर्णकालिक देगा।

ये पूर्णकालिक अभी संघ के दूसरे प्रकल्पों का काम देख रहे हैं। करीब आठ प्रदेशों के प्रदेश संगठन मंत्रियों को बदले जाने की संभावना संघ से जुड़े सूत्र चता रहे हैं। इनमें से अधिकांश प्रदेशों में अपना पांच साल से अधिक का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। गौरतलब है कि नितिन नबीन के पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद भाजपा की संगठन चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। यही वजह है कि अब संघ प्रदेश संगठन महामंत्रियों में बदलाब करेगा।

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक सालभर में दो बार होती है। इस बार यह बैठक मार्च के प्रथम सप्ताह में हरियाणा के पानीपत में होना संभावित है। इसे लेकर एजेन्डा तय किया जा रहा है। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, सह संगठन महामंत्री समेत प्रदेश संगठन मंत्रियों को लेकर विचार होना है। गौरतलब है कि भाजपा में राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री से लेकर प्रदेश संगठन महामंत्री तक के पदाधिकारी संघ भाजपा को देता है। इसमें अधिकांश उसके पूर्णकालिक कार्यकर्ता होते हैं। अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद इनमें से अधिकांश वापस संघ या उसके अनुषांगिक संगठनों में फिर से सक्रिय हो जाते है। पहले भाजपा में संभागीय संगठन मंत्री, जिला संगठन मंत्री और संगठन सहायकों की भी नियुक्ति होती थी और ये सभी पदाधिकारी संघ की पृष्ठभूमि से ही आते थे पर समय के साथ संघ ने भाजपा में अपनी भूमिका बेहद सीमित कर दी है। पहले जिला संगठन मंत्री और संगठन सहायकों के पद समास किए गए और करीब चार साल पहले संभागीय संगठन मंत्रियों के पद भी समाप्त कर दिए गए। प्रतिनिधि सभा की बैठक में संभागीय संगठन मंत्रियों को फिर से तैनात करने पर भी विचार होना है। इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि संघ भी अपना कार्य अब संभाग आधारित करने की वोजना बना रहा है।

संघ कार्य के नए स्वरूप पर भी होगी बात

इस बैठक में संघ के कार्य को नए तरीके से करने पर भी बात होगी। संघ की कार्यप्रणाली में जल्य बदलाव के संकेत सूत्र दे रहे हैं। संघ की नई व्यवस्था के तहत उसकी कार्य व्यवस्था संभागस्तर पर आधारित होगी और हर संभाग में एक प्रचारक नियुक्ति किया जाएगा। अब तक मध्यप्रदेश में तीन प्रात महाकौशल, मालया और मध्य में प्रचारक होते थे। अब इस व्यावस्था को संभाग स्तर पर लाने का प्रयास किया जाएगा। अब तक प्रदेश से जुड़ा रहा छत्तीसगढ़ भी अब अलग प्राप्त होगा। जिला प्रधारक समेत अन्य वावस्थाओं को पूर्ववत रखा जाएगा। संघ की इस बैठक में हल ही में पूरे देश में दस हजार तक की जनसख्या वाले इलाको में हुए हिंदू सम्मेलन समेत अन्य कार्यक्रमों की सफलता पर भी विचार किया जाएगा। इसके साथ ही अगले छह महीनों की कार्ययोजना भी सामने आएगी।

अविमुक्तेश्वरानंद विवाद के बीच 19 साल बाद एक मंच पर आएंगे चारों शंकराचार्य?

नई दिल्ली (एजेंसी) ● ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के विवाद के बीच बहुत बड़ी खबर सामने आई है। चारों पीठ के शंकराचार्य 19 साल बाद एक मंच पर आ सकते हैं, 10 मार्च 2026 को दिल्ली में गो रक्षा को लेकर बड़ा आयोजन है। गो माता राष्ट्र माता अभियान के मंच पर चारों शंकराचार्य आ सकते हैं। अविमुक्तेश्वरानंद को 2 पीठ का समर्थन पहले से प्राप्त है, तीसरी पीठ का समर्थन मिलने से असली नकली का विवाद हल्का पड़ जायेगा। पूरी पीठ के शंकराचार्य निश्चलानंद, अविमुक्तेश्वरानंद के नाम पर खुली सहमति अब तक नहीं जाता रहे थे लेकिन दो दिन पहले माघ मेला क्षेत्र में अविमुक्तेश्वरानंद को अपना लाडला कहा था।

गो रक्षा आंदोलन को लेकर पूरी पीठ के शंकराचार्य पहले से ही

आंदोलनरत हैं। गाय की रक्षा के व्रत के लिए पूरी पीठ के शंकराचार्य निश्चलानंद ने सिंहासन और छत्र का त्याग कर रखा है। गो रक्षा विषय पर चारों शंकराचार्य का एक मंच पर आने का मतलब होगा अविमुक्तेश्वरानंद पर सभी शांकराचार्यों की सहमति। सभी शांकराचार्यों को आमंत्रण भेजनें की तैयारी है।

पहला चतुष्पीठ सम्मेलन 1779 में श्रृंगेरी में हुआ था आयोजित

19 मई 2007 को बंगलोर में रामसेतु को लेकर सम्मेलन हुआ था जिसमें चार पीठ के शंकराचार्य एक मंच पर थे। पहला चतुष्पीठ सम्मेलन 1779 में श्रृंगेरी में आयोजित किया गया, जिसमें पहले बार चारों शंकराचार्य एक मंच पर आए। धार्मिक इतिहास में तीसरी बार एक मंच पर चारों पीठ की शंकराचार्य दिखेंगे।

धार्मिक इतिहास में तीसरी बार एक मंच पर दिखेंगे चारों शंकराचार्य

अगर दिल्ली का यह आयोजन अच्छी तरह से सफल होता है तो यह धार्मिक इतिहास में तीसरी बार होगा जब चारों पीठों के शंकराचार्य एक मंच पर नजर आएंगे, जो सनातन परंपरा के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। गो रक्षा आंदोलन को लेकर पहले भी कई तरह कि आंदोलन हुए हैं और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद भी कई बार इस पर खुलकर बोल चुके हैं।

हनुमानजी की जाति पर फिर मचा बवाल

उमंग सिंघार ने बजरंग बली को आदिवासी बताते हुए बीजेपी और आरएसएस पर लगाए गंभीर आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● एक ओर शंकराचार्य और कालनेमी की चर्चा..तो दूसरी ओर अब सियासत में फिर हनुमानजी जाति पर बवाल मचा। मध्यप्रदेश में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि आदिवासी हिंदू नहीं हैं। यही नहीं, उन्होंने बजरंग बली को भी आदिवासी बताते हुए बीजेपी और आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस बयान पर सियासी घमासान शुरू हो गया है। बड़वानी जिले में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आदिवासी समाज की पहचान को लेकर बड़ा बयान दिया। सिंघार ने कहा कि आदिवासी हिंदू नहीं हैं और उनकी अलग संस्कृति और परंपराएं हैं। उन्होंने कहा कि बजरंग बली भी आदिवासी थे, जो वनों में रहते थे और भगवान श्रीराम की विजय में हनुमानजी की भूमिका सबसे अहम रही। सिंघार यहीं नहीं रुके, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी नेता हनुमान जी की तस्वीर वाली पतंग उड़ाकर आदिवासी समाज और हिंदू धर्म। दोनों का अपमान कर रहे हैं। उमंग सिंघार के इस बयान का कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी समर्थन किया है। कांग्रेस का कहना है कि आदिवासी समाज की अलग पहचान है और उसे राजनीतिक एजेंडे के तहत नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

एम्स भोपाल को मिली लंग्स ट्रांसप्लांट की अनुमति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल को अब फेफड़ा (लंग्स) प्रत्यारोपण की आधिकारिक अनुमति मिल गई है। इस मंजूरी के साथ ही यह केंद्र मध्य भारत का ऐसा पहला सरकारी चिकित्सा संस्थान बनने की राह पर है, जहां हार्ट, किडनी, लिवर और लंग्स जैसे चारों बड़े अंगों के ट्रांसप्लांट की सुविधा एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगी। इस सुविधा के शुरू हो जाने से जरूरतमंदों को दिल्ली, नागपुर, चेन्नई और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में जाने की जरूरत खत्म हो जाएगी। हाल ही में स्टेट आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन (सोटो) की टीम ने एम्स भोपाल का दौरा कर यहां की अत्याधुनिक मशीनों और विशेषज्ञों की टीम का जायजा लिया था। निरीक्षण के बाद सोटो ने फेफड़ा प्रत्यारोपण के लिए एम्स को उपयुक्त पाया और इसकी अनुमति प्रदान कर दी। हालांकि संस्थान को अभी लिवर ट्रांसप्लांट की अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

एम्स में अनुमानित खर्च

किडनी ट्रांसप्लांट : तीन से चार लाख रुपये
लिवर ट्रांसप्लांट : आठ से 12 लाख (मंजूरी के बाद)
हार्ट ट्रांसप्लांट : छह से 10 लाख
लंग्स ट्रांसप्लांट : रुपये 10 से 15 लाख
(नोट- यह खर्च दवाओं, आईसीयू, जांच और सर्जरी के अनुसार थोड़ा ऊपर-नीचे हो सकता है।)

गुणवत्ता, सुरक्षा और भरोसे का ब्रांड बनेंगी मप्र की सड़कें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र की सडक़ों की खामियों को दूर करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) अभियान चलाएगा। जानकारी के अनुसार, पीडब्ल्यूडी द्वारा सडक़ों का रोड सेफ्टी ऑडिट कराया जाएगा। दरअसल, सरकार की कोशिश है कि मप्र की सडक़ें गुणवत्ता, सुरक्षा और भरोसे का ब्रांड बने।

दरअसल, बढ़ती सडक़ दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा पहली बार सडक़ों का अनिवार्य रूप से रोड सेफ्टी ऑडिट करवाने जा रही है। रोड सेफ्टी ऑडिट से सडक़ पर किसी तकनीकी खामी के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। इसमें सडक़ की डिजाइन, साइन बोर्ड, रोशनी, गति नियंत्रण, पैदल यात्रियों व साइकिल चालकों की

सुरक्षा और ब्लैक स्पॉट्स का आकलन किया जाता है। कई बार सडक़ें बनने के बाद छोटी-छोटी खामियां बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बन जाती हैं, जिन्हें ऑडिट के जरिए सुधारा जा सकता है। यह प्रक्रिया नई सडक़ों के निर्माण से पहले निर्माण के दौरान और उपयोग में आने के बाद भी की जाती है। सडक़ों का सेफ्टी ऑडिट तीन चरणों में होंगे। पहला प्री-डिजाइन स्टेज। इसके तहत सडक़ की आवश्यकता और स्थान का अवलोकन, ट्रैफिक वॉल्यूम-वाहन के प्रकार, स्कूल, अस्पताल और बाजार जैसे प्वॉइंट का चयन किया जाएगा। दूसरा डिजाइन स्टेज के तहत रोड चौड़ाई, कर्व, ग्रेड और जंक्शन डिजाइन, फुटपाथ, स्टॉप और अन्य ट्रैक तथा ड्रेनेज, लाइटिंग, साइन बोर्ड और मार्किंग की पड़ताल होगी।

एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर सेफ्टी ऑडिट

एनएचएआई के एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा निर्मित स्टेट हाई-वे सहित अन्य जिला मार्ग और मुख्य जिला मार्ग की सडक़ों का रोड सेफ्टी ऑडिट किया जाएगा। जिसमें सडक़ों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से विभिन्न मापदंडों में परखा जाएगा। प्री- डिजाइन स्टेज से लेकर कंस्ट्रक्शन तक सेफ्टी का ऑडिट विभिन्न चरणों में किया जाएगा। उसके बाद सडक़ की शुरुआत होने के बाद भी उसे सुरक्षा के मापदंड़ों पर फिर परखा जाएगा। जहां कमी सामने आएगी उसको दोबारा दुरुस्त किया जाएगा। ऑडिट के दौरान जो सडक़ें विभाग द्वारा बनाई गई हैं उनकी खामियों को सुरक्षा कारणों के तहत चिह्नित किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाई गई प्रमुख मौजूदा सडक़ों का भी विभाग द्वारा सेफ्टी ऑडिट करवाया गया। जिसमें प्रमुख रूप से 441 खामियां पाई गई हैं।

आयोजन सुबह पूजा-हवन और अखंड आराधना आरंभ, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत नमाज पढ़ने की भी व्यवस्था की गई है

भोजशाला में गूंजे पूजा व आराधना के स्वर, केसरिया पताकाओं से सजा परिसर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

धार ● बसंत पंचमी पर्व पर भोजशाला में शुक्रवार से पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम की शुरुआत हो गई। सुबह 7 बजे से ही परिसर में पूजा और आराधना के स्वर गूंजने लगे और हवन कुंड में पहली आहुति दी गई। बसंत उत्सव को लेकर भोजशाला परिसर को केसरिया पताकाओं से सजाया गया है।

गर्भगृह सहित पूरे परिसर में साढ़े पांच क्विंटल फूलों से विशेष सजावट की गई है। हवन कुंड के आसपास केले के पत्ते लगाए गए हैं। कुंड के समीप वेदारंभ संस्कार की भी शुरुआत हो गई है, जहां बच्चों को संस्कारों की जानकारी देते हुए वेदारंभ कराया जा रहा है।

सूर्योदय के साथ ही मां वाग्देवी की प्रतिमा के समक्ष भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा एवं समिति पदाधिकारियों ने मां वाग्देवी का स्वरूप विराजित कर आरती व स्तुति की। इसके बाद हवन कुंड में आहुति देकर अखंड पूजा का शुभारंभ किया गया।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले अखंड पूजा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। कोर्ट के आदेश के बाद पूजा और नमाज को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। 23 जनवरी को हिंदू समाज भोजशाला में पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान कर

सकेगा, वहीं मुस्लिम समाज भी निर्धारित व्यवस्था के तहत नमाज अदा करेगा। जुमे की नमाज में वही लोग शामिल होंगे, जिनके नाम प्रशासन से हुई बातचीत में तय किए गए हैं।

गोपाल शर्मा ने बताया कि हमारा विषय प्रारंभ से ही अखंड पूजा का रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा-अर्चना की जाएगी। इधर, प्रशासन ने दर्शन और पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए परिसर में बैरिकेडिंग की है, ताकि किसी को असुविधा न हो।

महाआरती और शोभायात्रा- महामंत्री सुमित चौधरी ने बताया कि मां सरस्वती यज्ञ की शुरुआत सुबह 7 बजे हो चुकी है। मां वाग्देवी के तेल चित्र के साथ शोभायात्रा नगर के उदाजी राव चौपाटी स्थित लालबाग उद्यान से सुबह 10:30 बजे प्रारंभ होगी। शोभायात्रा में खुली जीप में मुख्य वक्ता एवं अतिथि अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विहिप आलोक कुमार और सनातनी अखाड़े के संयोजक स्वामी स्वदेशानंद गिरी महाराज विराजित रहेंगे।

करीब ढाई किलोमीटर का मार्ग तय कर शोभायात्रा दोपहर 12 बजे भोजशाला प्रांगण पहुंचेगी। यात्रा में हजारों की संख्या में युवा, महिलाएं, युवतियां और ग्रामीण क्षेत्र से आए श्रद्धालु शामिल होंगे। बसंत पंचमी पर दोपहर 12:15 बजे धर्मसभा आयोजित होगी। इसके बाद दोपहर 1:15 बजे मां वाग्देवी के तेल चित्र की महाआरती अतिथियों द्वारा की जाएगी।

प्रशासन की पैनी नजर

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भोजशाला में पूजा और नमाज दोनों की व्यवस्था प्रशासन के लिए बड़ी जिम्मेदारी है। इसे लेकर एक माह पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। प्रशासन ने विशेष सुरक्षा रणनीति बनाई है। भोजशाला और आसपास के क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए मुख्य प्रवेश मार्ग पर जिगजैग बैरिकेडिंग की गई है। आने और जाने के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। करीब 8 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। भोजशाला, परिसर और शहर को कुल छह सेक्टरों में बांटा गया है। आईजी अनुराग सिंह, कमिश्नर सुदामा खाड़े, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और एसपी मयंक अवस्थी सहित वरिष्ठ अधिकारी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

विहिप अध्यक्ष श्री आलोक कुमार कल धार स्थित भोजशाला में पूजा अर्चना करेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री आलोक कुमार जी कल 23 जनवरी 2026, शुक्रवार को दोपहर 10 बजे मध्यप्रदेश के धार स्थित भोज शाला पहुंचेंगे। वे मंदिर में पूजा अर्चना, माँ वाग्देवी सरस्वती के प्राकट्य पर्व 'बसंत पंचमी' एवं महाराजा भोज के 1048वें स्मृति बसंतोत्सव के अतिरिक्त वहां होने वाले अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। सत्याग्रह स्थल, मोतीबाग चौक, भोजशाला परिसर, धार में वे एक धर्म सभा को तथा 2 बजे भोज उत्सव समिति कार्यालय (धारेश्वर) में पत्रकार वार्ता को भी संबोधित करेंगे।

अहिल्याबाई होल्कर पर समर्पित होगी नई दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने वाली झांकी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड-2026 में मध्यप्रदेश की भव्य झांकी शामिल होगी। झांकी में 'पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर' के गौरवशाली व्यक्तित्व, सुशासन, आत्मनिर्भरता, नारी सशक्तीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया जायेगा। झांकी के अग्र भाग में लोकमाता देवी अहिल्याबाई की चिर-परिचित प्रतिमा को दर्शाया गया है, जिसमें वे हाथ में शिवलिंग धारण किए पद्मासन में विराजमान हैं। यह दृश्य भारतीय मातृशक्ति की सौम्यता, गरिमा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। झाँकी के मध्य भाग में लोकमाता अहिल्याबाई अपने मंत्री-गण एवं सैनिकों के साथ दिखाई गई हैं, जो उनके सुदृढ़ प्रशासन और न्यायप्रिय शासन व्यवस्था को दर्शाता है।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियां जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की व्यापक तैयारियां जारी है। मुख्य समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ध्वजारोहण करेंगे। इंदौर में यह समारोह सुबह 9 बजे से नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा। इस समारोह में परेड सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज अधिकारियों के दल के साथ नेहरू स्टेडियम पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय से पूर्व कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर एडीएम श्री रोशन राय, अपर आयुक्त नगर निगम अभय राजनगांवकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तैयारियों की विभागवार समीक्षा की। बताया गया कि समारोह में विभिन्न प्लाटूनों द्वारा परेड भी प्रस्तुत की जायेगी।

अकर्मण्यता और भेदभावपूर्ण रवैये के प्रति बैंक कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

पांच दिनी बैंक सप्ताह के लिए 27 से हड़ताल ?

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बैंकों में सप्ताह में पांच दिवसीय कार्य दिवस की मांग को लेकर 27 जनवरी को देशभर के 8 लाख से ज्यादा बैंककर्मी हड़ताल पर जाएंगे। इसके पहले गुरुवार को देश-प्रदेश में कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए। इंदौर में भी विरोध प्रदर्शन किया गया।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आव्हान पर देश के 8 लाख से अधिक बैंककर्मियों ने 5 दिवसीय बैंक सप्ताह की मांग के प्रति केंद्र सरकार की अकर्मण्यता और भेदभावपूर्ण रवैये के प्रति अपना विरोध विरो प्रदर्शन किया। इंदौर स्थित बैंकों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों ने बैंक आफ इंडिया की

यशवंत निवास रोड शाखा के परिसर में बड़ी संख्या में एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। महिला बैंककर्मियों ने 5 दिवसीय बैंक सप्ताह के समर्थन में जोशीले नारे लगाए। आईबीए और बैंककर्मी यूनियंस के बीच हुए समझौते के अनुमोदन को केंद्र सरकार द्वारा दो वर्ष से अधिक समय तक टालमटोल के रवैये के विरुद्ध बैंककर्मियों ने नारे लगाकर अपना रोष व्यक्त किया। बैंककर्मी संगठनों के पदाधिकारी मोहन कृष्ण शुक्ला, कन्हैया पाटीदार, पंकज पोरवाल, अरविंद पोरवाल, वाघ, नवीन मोदी, ऋचा गांधी आदि ने अपने संबोधन में कहा कि 27 जनवरी की बैंक हड़ताल केंद्र सरकार द्वारा कर्मचारियों पर थोपी जा रही है। इस हड़ताल से बैंक ग्राहकों को संभावित अस्विधा का हमें खेद है। प्रदर्शन का संचालन साथी रामदेव सायडीवाल ने किया और अंत में साथी नवीन मोदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

27 को हड़ताल हुई तो चार दिन बंद रहेंगे बैंक

यदि केंद्र सरकार से बात नहीं बनी तो बैंककर्मी 27 जनवरी को हड़ताल पर जाएंगे। जिसके चलते अधिकांश बैंके लगातार चार दिन तक बंद रहेंगी। शनिवार को चौथा शनिवार है, और इस दिन बैंक बंद रहती है। वहीं 25 को रविवार, 26 को गणतंत्र दिवस की छुट्टी रहेगी। 27 को बैंकों की हड़ताल होने से कुल चार दिन की बैंकों की छुट्टियां हो जाएगी, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पडेगा।

वसंत पंचमी पर शहर में कई बड़े आयोजन स्कूलों, मंदिरों से विवाह मंडपों तक उत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ऋतुराज वसंत पंचमी का पर्व आज शहर में श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। वसंत के आगमन के साथ ही शहर के बाग-बगीचों, खेत-खलिहानों और आसपास के क्षेत्रों में प्रकृति ने श्रृंगार कर लिया है। वसंत पंचमी के अवसर पर शहर के प्रमुख मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। तुलसी नगर स्थित मां सरस्वती धाम में महायज्ञ आयोजित होगा और मां सरस्वती को छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। विद्याधाम आश्रम, गीताभवन, अन्नपूर्णा मंदिर, वैष्णोधाम मंदिर, खजराना गणेश मंदिर सहित अन्य मंदिरों में पीले फूलों से प्रतिमाओं का श्रृंगार किया जाएगा।

शहर के स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में मां सरस्वती का पूजन किया जाएगा। कई समाजों में छोटे बच्चों का विद्या आरंभ संस्कार भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें बच्चों को पहली बार अक्षर ज्ञान कराया जाएगा। एबी रोड स्थित मालवीय नगर के खाटू श्याम मंदिर में 23वें वसंतोत्सव के तहत सुबह नौ बजे श्याम रथयात्रा निकाली जाएगी। इसके अलावा राधा-कृष्ण मंदिरों में भी शोभायात्राएं और विशेष आयोजन होंगे। हिंदू धर्मशास्त्रों में वसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना जाता है। इसी कारण शहर और आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों विवाह समारोह आयोजित किए जाएंगे। लंबे समय से शुभ कार्यों पर लगे विराम के बाद वसंत पंचमी पर शहनाइयों की गूंज सुनाई देगी। कोरी कोली समाज का नि:शुल्क कन्या विवाह सम्मेलन नंदीग्राम परिसर में सुबह 11 बजे से आयोजित होगा। दोपहर एक बजे वर-वधू का चल समारोह निकलेगा। वहीं श्री कान्यकुब्ज विद्या प्रचारिणी सभा द्वारा आयोजित सर्व ब्राह्मण सामूहिक विवाह में 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। नवदंपतियों को गृहस्थी का आवश्यक सामान भी प्रदान किया जाएगा। शास्त्रों के अनुसार वसंत पंचमी के दिन ही विद्या और संगीत की देवी मां सरस्वती का जन्म हुआ था। मां सरस्वती को विभिन्न नामों से पूजा जाता है और उनका वाहन हंस विवेक और शांति का प्रतीक माना जाता है। वसंत पंचमी पर बच्चों का अन्नप्राशन, पीले या सफेद वस्त्र धारण करना और पितृ तर्पण करना शुभ माना गया है।

पेट्रोल पंप पर आम उपभोक्ताओं को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

उपभोक्ता सेवा सुविधा अभियान अंतर्गत आवश्यक व्यवस्था सुविधाओं का चलाया गया है विशेष अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जनवरी माह में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर जिला आपूर्ति नियंत्रण द्वारा सभी आपूर्ति अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पेट्रोल पंप पर पेट्रोल पंप संचालक द्वारा सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया करायी जाये। पेट्रोल पम्प पर इन सुविधाओं का विशेष निरीक्षण किया जाये। पम्प पर क्या-क्या सुविधाएं मिल रही हैं, उसके संकेतक पेट्रोल पंप पर लगवाए जा रहे हैं। सभी पेट्रोल पंप पर जरूरी सुविधाओं के साथ पीने का स्वच्छ पानी हो, मशीन से जो पानी आ रहा है वह साफ स्वच्छ हो, मशीन की नियमित साफ सफाई होती हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाये। महिला पुरुष शौचालय पृथक-पृथक हो व खुले और साफ सुथरे हो। आम उपभोक्ताओं के उपयोग के लिए सदैव खुले रहें यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक पेट्रोल पम्प पर उपरोक्त के अलावा शिकायत-सुझाव पेटी लगी हो, इसका नियमित प्रतिमाह अवलोकन ऑयल कंपनी के अधिकारी और खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। शिकायत सुझाव पेटी में प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण पर भी निगरानी रखी जायेगी। इसके अलावा हवा भरने के लिए मशीन लगी होना चाहिये। हवा भरने के लिए पृथक से कर्मचारी होना चाहिये। फर्स्ट एड बॉक्स की सुविधा होना चाहिये, जिसमें दवाइयां वैध अवधि की हो। नगर निगम क्षेत्र में पीयूसी लगा हो और वह चालू स्थिति में हो। प्रतिदिन वाहनों की पीयूसी करने के लिए पृथक से कर्मचारी हो। पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा कितनी मिलाई जा रही है इसका डिस्प्ले भी पेट्रोल पंप पर प्रदर्शित होना चाहिये। जिस भी पेट्रोल पंप पर निरीक्षण में आधारभूत सुविधाएं अव्यवस्थित पाई जाती है या टॉयलेट आदि बंद पाए जाते हैं, गंदे पाए जाते हैं तो नियमानुसार उन पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर के बाद अब महू में गंदे पानी का प्रकोप, एक ही मोहल्ले के 25 लोग बीमार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों का मामला अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि अब शहर से महज 20 से 25 किलोमीटर दूर महू में जलजनित बीमारियों ने पैर पसारना शुरू कर दिया है। महू के पत्ती बाजार और मोती महल जैसे रिहायशी इलाकों में पिछले 10 से 15 दिनों के भीतर लगभग 25 लोग संक्रमण का शिकार हो चुके हैं। इस बीमारी की सबसे ज्यादा मार मासूम बच्चों पर पड़ रही है, जो पीलिया और पेट संबंधी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं।

स्थानीय निवासियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, चंदर मार्ग से शुरू हुई दूषित पानी की समस्या अब मोती महल तक विस्तार कर चुकी है। नलों के माध्यम से घरों में मटमैला और बदबूदार पानी पहुंच रहा है। इस स्थिति ने न केवल बच्चों के स्वास्थ्य को खतरे में डाला है, बल्कि उनकी शिक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाला है। उदाहरण के तौर पर, मिठोरा परिवार के छह बच्चे, जिनकी उम्र 11 वर्ष से 19 वर्ष के बीच है, कई दिनों से बीमार हैं। वहीं, अलीना नामक छात्रा संक्रमण के कारण अपनी प्री-बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो सकी। 9 वर्षीय लक्षिता और 12 वर्षीय गीतांश भी वर्तमान में पीलिया से लड़

रहे हैं। मोती महल क्षेत्र में स्थिति काफी चिंताजनक बनी हुई है। यहां के छोटे बच्चों जैसे आदर्श, कृशु और यथार्थ को स्वास्थ्य बिगड़ने पर रेडक्रॉस अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। वहीं, बुजुर्ग जगदीश चौहान को लिवर में गंभीर इंफेक्शन होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। क्षेत्र के लोग इस बात से बेहद डरे हुए हैं कि संक्रमण का यह दायरा और अधिक न बढ़ जाए।

रहवासियों का आरोप है कि वे लंबे समय से नगर परिषद और संबंधित विभाग को गंदे पानी की शिकायत कर रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया। लोगों ने बताया कि पीने के पानी की पाइप लाइन नालियों के बीच से गुजर रही है। पाइप लाइन में जगह-जगह लीकेज होने के कारण नालियों का गंदा पानी पेयजल में मिल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप नलों से गाद युक्त और दुर्गंध वाला पानी आ रहा है। प्रशासन की इस निरंतर अनदेखी से स्थानीय जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अब प्रशासन सक्रिय हुआ है। एसडीएम राकेश परमार और तहसीलदार विवेक सोनी ने प्रभावित बस्तियों का दौरा किया और पानी के सैंपल लेकर लैब में जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए हैं। महू बीएमओ डॉ. योगेश सिंगारे ने पुष्टि की है कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें अब घर-घर जाकर सर्वे कर रही हैं ताकि बीमारों की पहचान की जा सके। वर्तमान में तीन बच्चे अस्पताल में उपचाराधीन हैं, जबकि शेष मरीजों का इलाज उनके घर पर ही किया जा रहा है। बीमारी फैलने की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय विधायक उषा ठाकुर गुरुवार रात को प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचीं।

लघु-नाटकों की दुनिया का पहला समर्पित मंच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● टाटा प्ले बिंज ने अपने मंच पर 'शॉट्स' नाम से एक नया कंटेंट शुरू किया है। यह मोबाइल पर देखने के लिए बने छोटे और सीधे (वर्टिकल) ड्रामा वीडियो हैं, जिन्हें कहीं भी, कभी भी तुरंत देखा जा सकता है। शॉट्स सभी टाटा प्ले बिंज सब्सक्राइबर्स को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के मिलेगा। यह लघु नाटक का एक अलग खंड है, जिसमें अलग-अलग क्रिएटर्स और साझेदारों की कहानियाँ एक ही जगह मिलेंगी, जो खाली समय में देखने के लिए बनाई गई हैं।

गणतंत्र दिवस से पहले मध्य प्रदेश में बस बुकिंग में 39% वृद्धि का अनुमान- रेडबस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जैसे ही मध्य प्रदेश गणतंत्र दिवस के लंबे वीकेंड की तैयारी कर रहा है, राज्यभर में अंतर-शहरी बस यात्रा में तेज़ उछाल देखने को मिल रहा है। रेडबस प्लेटफ़ॉर्म के आंकड़ों के अनुसार, गणतंत्र दिवस ट्रैवल विंडो के दौरान मध्य प्रदेश में बस बुकिंग में 39% की वृद्धि का अनुमान है। यह विश्लेषण 23 से 26 जनवरी 2026 के बीच की गई बुकिंग्स की तुलना पिछले वर्ष की समान अवधि से करता है, जो छोटे अवकाश ट्रिप्स और पारिवारिक यात्राओं की मांग में तेज़ बढ़ोतरी को दर्शाता है।

वरिष्ठ पत्रकार उमेश रेखे को इन्दौर पत्रकारों ने किया याद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर के वरिष्ठ पत्रकार उमेश रेखे का आज इन्दौर प्रेस क्लब परिसर में पत्रकारों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी । प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने शोक सभा का संचालन किया । इन्दौर समाचार के विवेक सेठ ने कहा कि उनका जीवन कमर्ठ सेवा के सेवा से भरा ईमानदार के प्रभुत्य एक नेक इंसान थे । पत्रकार कीर्ति राणा ने कहा कि बाबूलाल कुशवाह और उमेश जी की जोड़ी की पत्रकारवार्ता जगत याद की याद की जाएगी । इन्दौर के सुरेश सेठ के विश्वनीय व्यक्ति श्री रेखे थे । पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने कहा कि इंदौर .उमेश रखे को सदा याद रखेगा । पत्रकार सुनत कुमार जैन उमेश जी के जीवन से जुड़े रोचक स्मर्ण सुनाए।

अन्तर्राष्ट्रीय महेश्वरी मंत्री मंच के अध्यक्ष कमल कुमार साबू ने कहा कि मेरे पिता स्व . साबू तथा सुरेश सेठ जी के साथ 50 वर्ष पूर्व उमेश रेखे से पहली मुलाकात हुई जो उनके अन्तिम समय तक मार्गदर्शक के रूप में बनी रही .इंदौर समाचार के साहित्यकार हीरालाल वर्मा ने कहा की समाचार को कैसे रोचक बनाना तथा सही ढंग से अपनी बात को जनता तक पहुंचाना मैंने श्री उमेश जी से सीखा ऐसे पत्रकार मै दिल से सलाम करता हूँ।

नौ दिवसीय अनुठान का आज पांचवा दिन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● माघ महीने की गुप्त नवरात्र का आज पांचवां दिन सभी देवी मंदिरों में अभिजीत मुहूर्त में 19 जनवरी से कलश यात्रा के साथ हवन पाठ पूजन महा आरती हो रहे हैं । जिसमें जजमान पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं श्रमिक क्षेत्र स्वदेशी मिल गेट स्थित मां कालका मंदिर में नौ आचार्य के द्वारा हवन पूजन पाठ एवं आरती जजमानों द्वारा प्रतिदिन हो रही है । यह आयोजन प्रति वर्ष से होता आ रहा है । कालका माता के पुजारी राजेश पांडे एवं पवन पांडे ने बताया कि यह आयोजन 27 जनवरी को समापन होगा।

पुराने बिजली खर्चों को भी उपभोक्ताओं से वसूलेंगी बिजली कंपनियां

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● राज्य की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) ने 2026-27 के लिए बिजली की दरों में 10.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में आई है जब मप्र में बिजली पहले से ही पड़ोसी राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़ और गुजरात से महंगी है। दरअसल, प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियों ने वर्ष 2014-15 से 2022-23 के बीच के दस साल पुराने बिजली खर्च को उपभोक्ताओं से वसूलने के लिए मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग में याचिका दायर की है। इस याचिका में कुल 3,450.63 करोड़ रुपए की वसूली की अनुमति मांगी गई है। यह याचिका एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के माध्यम से राज्य की तीनों वितरण कंपनियों-पूर्व, मध्य और पश्चिम डिस्कॉम की ओर से दाखिल की गई है। डिस्कॉम्स का तर्क है कि यह राशि बिजली बनाने वाली कंपनियों (जनरेटरों) को पहले ही चुकाई जा चुकी है, लेकिन पुराने ट्रू-अप आदेशों में इसे पूरी तरह मंजूरी नहीं मिल पाई थी।

बिजली दरों में यह प्रस्तावित बढ़ोतरी हाल के वर्षों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी में से एक है। हालांकि, नियामक आयोग उपभोक्ताओं से सुझाव और आपत्तियां मांगेगा और सार्वजनिक सुनवाई करेगा। इसके बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। पिछले वर्षों में, आयोग ने डिस्कॉम द्वारा मांगी गई बढ़ोतरी से कम वृद्धि को मंजूरी दी है। अगर यह बढ़ोतरी मंजूर हो जाती है, तो एक

सामान्य शहरी मध्यमवर्गीय परिवार, जो एक एसी, फ्रिज, पंखे, लाइट और टीवी का उपयोग करता है और लगभग 400 यूनिट बिजली हर महीने खर्च करता है, उसका मासिक बिल लगभग 3,550 रुपये हो जाएगा। यह वर्तमान बिल से लगभग 300 रुपये अधिक है, यानी सालाना लगभग 3,600 रुपये की बढ़ोतरी। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हो रही है जब लोगों के घर का बजट पहले से ही तंग है।

अनुपूरक बिजली बिल की वसूली

डिस्कॉम्स के अनुसार, जिन खर्चों की अब वसूली मांगी जा रही है, वे अनुपूरक (सप्लीमेंट्री) बिजली बिल हैं। ये बिल बिजली उत्पादक कंपनियों ने कई साल बाद भेजे। इनका कारण केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग के संशोधित टैरिफ आदेश, कानून में बदलाव, टैक्स और ड्यूटी में परिवर्तन, आयकर से जुड़े समायोजन और खातों के अंतिम रूप से बंद होने के बाद सामने आए दावे बताए गए हैं। डिस्कॉम्स का कहना है कि ये सभी खर्च ऑडिटेड खातों में दर्ज हैं और वास्तविक हैं। हालांकि, संबंधित वर्षों के ट्रू-अप के दौरान आयोग ने कुछ दावों को यह कहते हुए स्वीकार नहीं किया कि इन्हें अलग से याचिका में लाया जाए। अब उसी आधार पर इन्हें वित्त वर्ष 2024-25 की ट्रू-अप याचिका में शामिल किया गया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि दस साल पुराने खर्चों का बोझ मौजूदा उपभोक्ताओं पर क्यों डाला जाए। उपभोक्ता संगठनों का मानना है कि यदि डिस्कॉम्स समय पर अपने दावे पेश नहीं कर पाए, तो इसकी जिम्मेदारी आम बिजली उपभोक्ताओं पर नहीं डाली जानी चाहिए। इसके अलावा, याचिका में यह भी स्वीकार किया गया है कि पुराने वर्षों का पूरा डेटा नए आईटी सिस्टम में उपलब्ध नहीं है। ऐसे में अधूरे या पुराने रिकॉर्ड के आधार पर इतनी बड़ी राशि की वसूली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पूर्व क्षेत्र डिस्कॉम ने 1,016.21 करोड़, मध्य क्षेत्र डिस्कॉम ने 1,089.56 करोड़ और पश्चिम क्षेत्र डिस्कॉम ने 1,344.86 करोड़ का बकाया दर्शाया है।

वित्तीय स्थिति और खराब होने की संभावना-डिस्कॉम्स का कहना है कि उन्होंने जनरेटरों को भुगतान कर दिया है और यदि इसकी भरपाई नहीं हुई तो उनकी वित्तीय स्थिति और खराब हो जाएगी। पहले से ही डिस्कॉम्स घाटे में चल रहे हैं और बकाया लागत को न वसूल पाने की स्थिति में कर्ज का बोझ बढ़ेगा। डिस्कॉम्स ने यह भी तर्क दिया है कि आयोग के पूर्व आदेशों में इन्हें भविष्य में दावा पेश करने की छूट दी गई थी, इसलिए अब की गई मांग नियमों के अनुरूप है। अगर आयोग ने इस याचिका को मंजूरी दे दी, तो संभावना है कि यह राशि भविष्य के बिजली टैरिफमें किसी न किसी रूप में जोड़ी जाएगी। यानी वर्तमान और आने वाले वर्षों में उपभोक्ताओं के बिजली बिल बढ़ सकते हैं। अब यह मामला पूरी तरह मप्र विद्युत विनियामक आयोग के पास है। इससे पहले बिजली कंपनी टैरिफ याचिका भी दायर कर चुकी है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 23 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

श्रीविद्याधाम पर आज बसंतोत्सव की बेला में होगा सभी प्रतिमाओं का नयनाभिराम श्रृंगार

इंदौर • विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर चल रहे प्रकाशोत्सव में पांचवे दिन बसंतोत्सव के उपलक्ष्य में मंदिर स्थित सभी प्रतिमाओं का नयनाभिराम श्रृंगार कर पूजन अर्चन किया जाएगा। सभी देव प्रतिमाओं को केशरिया परिधान में श्रृंगारित किया जाएगा। मंदिर पर गुरुवार को माँ ललिता पराम्बा का देवी कुस्मांडा के रूप में श्रृंगार किया गया। उधर, मंदिर पर चल रहे सग्रहमख ललिताम्बा महायज्ञ में स्वाहाकार की मंगल ध्वनि जारी है, जिसमें 31 विद्वान आहुतियां समर्पित कर रहे हैं। अब तक यहाँ 41 हजार आहुतियाँ संपन्न हो चुकी हैं। आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि बसंत पंचमी के पावन पर्व पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में मंदिर स्थित सभी देव प्रतिमाओं का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। भगवती के नित्य नूतन और मनोहारी श्रृंगार का जिम्मा आचार्य पं. लोकेश शर्मा और उनके साथी निभा रहे हैं। मंदिर पर प्रतिदिन सुबह 6 बजे वैदिक संध्या वेदपाठ, 7:30 बजे षोडशोपचार पूजन, 9 बजे श्रृंगार आरती, दोपहर 2.30 बजे दुर्गा सप्तशती पाठ, शाम 6 बजे ललिता सहस्त्र नामावली से लक्षार्चन आराधना के अनुष्ठान 27 जनवरी तक होंगे। संध्या को 8 बजे विद्वानों द्वारा की जा रही 108 दीपों से महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। शनिवार को शाम 5 बजे आश्रम परिसर से माँ अपने भक्तों को दर्शन देने शहर भ्रमण पर निकलेगी।

पंचमुखी बालाजी धाम पर आज तीनों मंदिरों में आज शिखर पर होगी कलश स्थापना

इंदौर • मालवा मिल अनाज मंडी स्थित श्री पंचमुखी बालाजी धाम मंदिर पर बसंत पंचमी के पावन प्रसंग पर शुक्रवार 23 जनवरी को लक्ष्मीनारायण मंदिर, पंचमुखी बालाजी मंदिर एवं शिव मंदिरों के शिखर पर अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना का दिव्य आयोजन होगा। मंदिर से जुड़े गिरीश खंडेलवाल एवं राजू अग्रवाल राधे राधे ने बताया कि कलश स्थापना के लिए दो दिवसीय इस महोत्सव में गुरुवार को शाम आरती के पश्चात सुंदर काण्ड के साथ ही विद्वान आचार्यों के मार्गदर्शन में कलश स्थापना का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

सोनी को वैश्य महासम्मेलन मप्र इकाई का युवा नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया

इंदौर • इंदौर ग्रामीण जिला अध्यक्ष दिनेश गर्ग द्वारा तहसील अध्यक्ष राज जैन एवं युवा अध्यक्ष पीयूष विजयवर्गी की अनुशंसा पर देपालपुर नागर के युवा अध्यक्ष के रूप में शिवम सोनी को नियुक्त किया गया, इस दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष शिवम सोनी का देपालपुर में स्वागत किया गया इस दौरान जिला प्रभारी मनोज अग्रवाल तहसील प्रभारी हेमंत (बंटी) जैन, नगर अध्यक्ष प्रवीण मोदी एवं तहसील इकाई के सौरभ जैन, मनोज सरकार,हेमंत नगर,अनिल जैन, नमन जैन,आदर्श महाजन आदि युवा एवं मुख्य इकाई के सदस्य मौजूद हुए। नव नियुक्त अध्यक्ष शिवम सोनी ने बताया कि नगर के संगठन का विस्तार अति शीघ्र किया जाएगा शादी रिक्त पदों को तत्काल प्रभाव से भरकर कोरम पूरा किया जाएगा, साथ ही समाज के हर छोटे-बड़े और युवा बांधों कासमाज हित में पूरा-पूरा ध्यान रखने का प्रयास किया जाएगा।

प्रदेश सरकार पेश करेगी डिजिटल बजट, नहीं छपेंगी बजट की किताबे

भोपाल (एजेंसी) • प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू हुआ। फिर ई-कैबिनेट बैठकों की प्रक्रिया शुरू की गई। अब ई-गवर्नेंस की दिशा में मप्र सरकार एक और पहल कर रहीं है। सरकार ने विधानसभा में डिजिटल यानी पेपरलेस बजट पेश करने की तैयारी कर ली है। यह सरकार का पहला पूर्ण डिजिटल बजट होगा। इस साल बजट की किताबें नहीं छापी जाएंगी। विधायकों को बजट की पूरी जानकारी टैबलेट में दी जाएगी। वित्त विभाग की वेबसाइट पर भी बजट अपलोड होगा। साथ ही पेनड्राइव में बजट की सॉफ्ट कॉपी दी जाएगी। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा विधानसभा में टैबलेट के जरिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश करेंगे। वित्त विभाग ने इस दिशा में कार्रवाई शुरू कर दी है।

दरअसल, वित्त विभाग पिछले चार साल से विधानसभा में डिजिटल बजट पेश करने की कवायद में जुटा है, लेकिन हर साल मैनुअल बजट पेश करने का निर्णय ले लिया जाता है। वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बजट पुस्तिकाओं की छपाई पर हर साल करीब 25 लाख रुपए खर्च होते हैं, बड़ी मांग में कागज की बर्बादी होती है और बजट पुस्तिकाओं को लाने ले जाने में बड़ी संख्या में मैनपॉवर लगता है। फिजूलखर्ची और कागज की बर्बादी रोकने के लिए वित्त विभाग ने इस बार डिजिटल बजट पेश करने को लेकर अंतिम निर्णय से लिया है। अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी का कहना है कि इस बार विधानसभा में पेपरलेस बजट पेश करने की तैयारी है। बजट पुस्तिकाएं नहीं छापी जाएंगी। ई-पेपरलेस बजट को देखते विधान परियोजना और हुए विधानसभा सचिवालय की ओर से सभी विधायकों को टेबलेट दिए जाएंगे। इस पर 2 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च लेंगे।

बजट पर अंतिम दौर का मंथन जारी

वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारिया तेज कर दी है। गत 19 जनवरी से बजट को लेकर अतिम दौर की हो गई है। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार विभागवार बजट चर्चा हो रही है। शेष 31 विभागों की बजट चर्चा 29 तक चलेंगी। इसने भित्र विभाग के अपर मुख्य सक्रिय प्रमुख अधिकारी बजट पर चर्चा कर रहे है।

लोगों ने नहीं ली रुचि 1000 सुझाव ही आए

वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर आम नगारिकों से सुझाव आमंत्रित किए थे। लोगों से कहा गया था कि वे विकसित मप्र के लिए कैसा बजट चाहते हैं। इस बारे में अपना सुझाव दें। सुझाव पोर्टल, टोल फ्री नंबर, ईमेल और डाक के माध्यम से मंगाए गए थे। खास बात यह है कि इस बार बजट को लेकर वित विभाग को सुझाव देने में आम नागरिकों ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई है। इस बार बजट संबंधी करीब एक हजार सुझाव वित विभाग को मिले है, जबकि पिछली बार लोगों ने दो हजार से ज्यादा सुझाव दिए थे। वित्त विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार को सबसे ज्याय सुझाव कर्मचारी वर्ग ने दिए हैं। कर्मचारियों ने केंद्र के समान महगाई भत्ता देने, आठवां वेतनमान लागू करने, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने व आउटसोर्स प्रथा बंद करने की घोषणा बजट में करने की मांग की है। इसके आम नागरिकों ने पेट्रोल-डीजल पर वैट कम करने, मंहगाई कम करने के उपय करने, यहाँ स्वास्थ्य सुविचार सुधारने सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टचार रोकने के उपाय करने जैसे सुझाव सरकार को दिए है।

बजट सत्र से ऑनलाइन होगी विधानसभा की कार्यवाही

मत्र विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से शुरू होगा। इससे विधानसभा की कार्यवाही पूरी तरह ऑनलाइन संचालित की जाएगी। इसके लिए मप्र विधानसभा सचिवालय ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। बजट सत्र से पहले सदन के भीतर विधायकों की सीटों पर टैबलेट लगाए जा रहे हैं, जिनके मध्यम से उत्तर विवेक ध्यानाकर्षण सूचना, शुन्य की सूचनाएं और दस्तावेज डिजिटल रूप में उतराएं जाएंगे। भारत सरकार की ओर से इं-विधान परियोजना को देशभर में बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के तहत मप्र विधानसभा को भी डिजिटल और पेपरलेस बनाया जा रहा है।

संस्था नई कलम का सम्मान समारोह संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हमारा राष्ट्र संस्कृति प्रधान राष्ट्र है। सांस्कृतिक व पौराणिक दृष्टि से हम समस्त भारतवासी साहित्य, नृत्य, संगीत, रंगमंच व विविध कलाओं से समृद्ध है। हमारे देश में अनेक लोक कलाएं भी अपनी पुरातन संस्कृति के साथ वर्तमान समाज में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराती है। अनेक रंगों से सजने वाली रंगोली भी एक लोक कला है। रंगोली वह लोक कला है जो अपने आदिकाल से ही सुंदरता व शुभता का प्रतीक रही है। लोक कला रंगोली को जीवंत बनाएं रखने के लिएं कुछ कलाकार पूर्णत: समर्पित होकर अपनी लगन व परिश्रम से सतत् प्रयासरत् है। रंगोली कला को जीवंत व समृध्द करने वाली ऐसी ही एक कलाकार है प्राची शर्मा जिन्होनें अपने व्यस्ततम जीवन में अपनी कला को शिखर पर विराजित किया है। एक फार्मा कंपनी में पदस्थ प्राची शर्मा न केवल हमारे देश के अनेक तीर्थों व नगरों जैसे अयोध्या, केदारनाथ, तुंगनाथ, दमोह, महू, इंदौर में अनेक आयोजन व प्रतियोगिता में रंगोली का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। विश्व में सबसे ऊंचाई पर स्थित शिव मंदिर तुंगनाथ के प्रांगण में रंगोली बनाकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। साथ ही दुबई और थाईलैंड में भी रंगोली का सृजन कर अपनी कला का श्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर चुकी है। साहित्यिक एवम् सामाजिक संस्था नई क़लम ने अंतर्राष्ट्रीय रंगोली कलाकार प्राची शर्मा को ' कलावंत सम्मान ' से सम्मानित किया। संस्था द्वारा सुश्री शर्मा को शॉल व स्मृति चिन्ह प्रदान किये गए। साथ ही कवि जितेन्द्र राज की पुत्री एश्वर्या दास का शैक्षणिक उपलब्धियां प्राप्त करने हेतु सम्मान किया गया। इसके साथ ही तैराकी स्पर्धा में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर स्वर्ण व रजत पदक प्राप्त करने वाले बालकवि विराज सोलंकी का भी सम्मान किया गया।

रीगल चौराहा स्थित इंडिया गेट और अमर जवान ज्योति पर शहर के स्कूली बच्चों

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्था सेवा सुरभि, जिला प्रशासन, इंदौर पुलिस, नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण की सहभागिता में चलाए जा रहे 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' अभियान के तहत गुरुवार को सुबह शहर के अनेक स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों के साथ रीगल चौराहा स्थित इंडिया गेट एवं अमर जवान ज्योति की प्रतिकृति पर पहुंचकर अपनी राष्ट्रभक्ति से प्रेरित प्रस्तुतियों से पूरे 2 घंटे तक चौराहे के वातावरण को देशभक्ति के रंग में सरोबार बनाए रखा। भारत माता की जय और वन्दे मातरम के उद्घोष के समवेत स्वरों से समूचा चौराहा गूंजता रहा। शुक्रवार 23 जनवरी को यहाँ शाम 6.30 बजे से 'मेरा रंग दे बसंती चोला' संगीत कार्यक्रम की प्रस्तुति स्टार फैन्स क्लब के तत्वावधान में दी जाएगी। संस्था सेवा सुरभि के संयोजक ओमप्रकाश

नरेडा, मनीष ठक्कर, चांदमल जैन, विशाल डागरिया एवं निकेतन सेठी ने बताया कि 'झंडा ऊँचा रहे हमारा अभियान' में विभिन्न विद्यालयों के बच्चे प्रतिदिन यहाँ आकर अपनी प्रस्तुतियां दे रहे हैं। गुरुवार को श्री श्री रविशंकर, चमेलीदेवी स्कूल यशवंत प्लाजा, सिका स्कूल स्कीम 54, अग्रसेन विद्यालय, सन्मति हा. से स्कूल सहित अनेक स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने संगीत शिक्षकों के साथ इंडिया गेट पहुंचकर देशभक्ति से प्रेरित तरानों की प्रस्तुतियां देकर अनाम शहीदों को अपनी सलामी दी।

सूरज धाकड़ अखिल भारतीय धाकड़ महासभा के जिला मंत्री नियुक्त हुए

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर • अखिल भारतीय धाकड़ महासभा युवा संघ के इंदौर जिला अध्यक्ष प्रकाश रावलिया द्वारा सूरज भूरालाल धाकड़ को अखिल भारतीय श्री धाकड़ महासभा युवा संघ के जिला मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति अखिल भारतीय धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसीराम नागर, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री समंदर पटेल एवं अखिल भारतीय धाकड़ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश मल्हार व शीर्ष नेतृत्व की सहमति से दी गई है। इनकी इस नियुक्ति पर धाकड़ समाज में हर्ष व्याप्त है। धाकड़ की नियुक्ति पर पूर्व विधायक विशाल पटेल, अरुण पटेल,रजत पटेल, संजय नागर, जितेंद्र नगर आदि ने बधाई दी।

बसंत पंचमी पर मठ स्थित माँ सरस्वती एवं अन्य देवी-देवताओं का पीताम्बर परिधान में किया श्रृंगार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एयरपोर्ट रोड पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर गुप्त नवरात्रि एवं मठ पर बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में विश्व ब्राह्मण समाज संघ एवं हंसदास मठ के संयुक्त तत्वावधान में हंस पीठाधीश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के सान्निध्य में 101 ब्राह्मण बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार होगा। मठ पर चल रहे श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति भी दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में होगी। यज्ञ शाला की परिक्रमा करने के लिए आज दिनभर भक्तों का सैलाब उमड़ता रहा। बसंतोत्सव के उपलक्ष्य में मठ पर स्थापित माँ सरस्वती का विशेष पूजन अर्चन भी सुबह 9 बजे होगा। भगवान का पुष्प बंगला भी सजेगा। बसंतोत्सव की पूर्व बेला में गुरुवार को मठ स्थित देवी-देवताओं को पीताम्बर परिधान से श्रृंगारित किया गया है। विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महंत एवं मठ के पं. अमितदास ने बताया कि यज्ञोपवीत अनुष्ठान की विधियाँ सुबह 9 बजे से विद्वान आचार्यों के निर्देशन में प्रारंभ होंगी। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों एवं प्रदेश के अनेक शहरों से आए 101 ब्राह्मण बटुकों का संस्कार संपन्न होगा। इधर, मठ पर चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में यज्ञाचार्य पं. पं. विवेक कृष्ण शास्त्री के निर्देशन में गुरुवार तक सवा लाख आहुतियाँ सम्पन्न हो चुकी हैं। यजमानों ने श्रीसूक्त एवं पुरुषसूक्त से आहुतियाँ प्रदान कर समाज में सुख, शांति एवं सद्भाव की कामना की। आज भी बड़ी संख्या में यज्ञ में शामिल यजमानों एवं मठ से जुड़े श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला की परिक्रमा कर पुण्य लाभ उठाया। जिन वेदपाठी ब्राह्मण बटुकों के यज्ञोपवीत संस्कार होंगे उन्होंने ओम नमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र का जाप शुरू कर दिया है। संध्या को पंचमुखी चिंतांहरण हनुमान मंदिर की साक्षी में संगीतमय सुंदर काण्ड का पाठ भी किया गया और बसंतोत्सव की पूर्व बेला में पंचमुखी हनुमानजी को नया चोला भी धारण कराया गया तथा मठ स्थित सभी देवी-देवताओं को पीताम्बर परिधान में श्रृंगारित किया गया। मठ स्थित माँ सरस्वती की प्रतिमा का शुक्रवार को विशेष श्रृंगार एवं पूजन सुबह 9 बजे से होगा।

जूनी इंदौर मोक्ष धाम पर पहली बार आज से भागवत ज्ञान यज्ञ, 30 को दिवंगतों की अस्थियों का विसर्जन करेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विद्या और वाणी की देवी माँ सरस्वती को समर्पित बसंतोत्सव के शुभारम्भ प्रसंग पर जूनी इंदौर स्थित मोक्ष धाम परिसर के महामृत्युंजय मंदिर पर पहली बार श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा का आयोजन 23 से 30 जनवरी तक किया जाएगा। इसका शुभारंभ शुक्रवार 23 जनवरी को दोपहर 12 बजे मोक्ष धाम के सामने स्थित बलवीर हनुमान मंदिर से शोभा यात्रा के साथ होगा। भागवताचार्य पं. श्याम सुंदर शास्त्री व्यास पीठ पर विराजित होकर प्रतिदिन दोपहर 1 से 4 बजे तक भागवत कथामृत का रसपान कराएँगे। कथा के लिए मोक्ष धाम पर व्यास पीठ एवं पंडाल का निर्माण किया गया है। भक्तों के लिए कथा स्थल पर सुविधा के समुचित प्रबंध भी किए गए हैं। जूनी इंदौर मुक्ति धाम सेवा समिति की ओर से संयोजक अशोक सारडा एवं राजेश जोशी ने बताया कि शहर में कुछ वर्षों पूर्व पंचकुईया मुक्ति धाम पर समाजसेवी प्रेम बाहेती के प्रयासों से भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया था। उनसे प्रेरणा लेकर अब जूनी इंदौर मुक्ति धाम पर यह आयोजन पं. श्याम सुंदर शास्त्री के श्रीमुख से आचार्य पं. राजेश तिवारी के सानिध्य में किया जा रहा है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

दुश्मन नहीं, रास्ता बना जवानों का काल? जम्मू-कश्मीर के डोडा हादसे ने उठाए गंभीर सवाल

सुरक्षा बलों के जवानों के सामने हमेशा ही जोखिम की स्थिति बनी रहती है। ऊंचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच आतंकवादियों का सामना करना पहले ही एक बड़ी चुनौती रही है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए हादसे में जिस तरह दस जवानों की जान चली गई, वह दुर्गम इलाके में तैनात सुरक्षा बलों के सामने मौजूद बहुस्तरीय जोखिम का ही उदाहरण है। गौरतलब है कि गुरुवार को डोडा में सेना के एक बुलेटप्रूफ वाहन में सवार फौजी लगभग नौ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित एक चौकी की ओर जा रहे थे। इस बीच खन्नी टाप के पास वाहन सड़क से फिसल कर दो सौ फुट गहरी खाई में जा गिरा। इतनी ऊंचाई से गिरने के बाद वाहन और उसमें सवार लोगों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। दस जवानों की मौत के अलावा ग्यारह अन्य जवान बुरी तरह घायल भी हुए। जाहिर है, आतंकवाद का सामना करने के क्रम में जानलेवा खतरों और हमलों का सामना करने के अलावा इस घटना से वहां ड्यूटी के लिए तैनात सुरक्षा बलों के सामने एक अतिरिक्त चुनौती का पता चलता है। यह इलाका अपनी बेहद मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों के लिए जाना जाता रहा है और वहां सुरक्षा बलों के जवानों के सामने हमेशा ही जोखिम की स्थिति बनी रहती है। ऊंचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच आतंकवादियों का सामना करना पहले ही एक बड़ी चुनौती रही है। उसमें जब सुरक्षा कारणों से ही सड़कों पर सफर के क्रम में हुए हादसे में जवानों की मौत हो जाती है, तो यह वाहन चलाने में हुई मामूली चूक के खतरनाक नतीजों के साथ-साथ दुर्गम इलाकों में मौजूद रास्तों के बेहद असुरक्षित होने का भी सबूत है। सवाल है कि देश की सुरक्षा के लिहाज से अतिसंवेदनशील इलाकों में सड़कों को इस हालत में कैसे छोड़ा गया है कि किसी वाहन के खाई में गिरने के बाद उसमें सवार लोगों के जिंदा बचने की गुंजाइश बेहद कम होती है। अफसोस की बात यह है कि उस समूचे क्षेत्र में सुरक्षा बलों के सामने मौजूद अलग-अलग जोखिम के समांतर बचाव के मोर्चे पर शायद पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। वरना हादसे और जोखिम के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील जगहों पर सड़कों के किनारे मजबूत सुरक्षा घेरा या पैराफिट लगाने भर से पहाड़ी इलाकों में होने वाले हादसों में जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी और ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में वाहनों के दुर्घटना का शिकार होने और जवानों की मौत या उनके घायल होने की घटनाएं अक्सर सामने आती रही हैं।

ईरान संकट : बयानबाज़ी से बमबारी तक की दूरी कितनी?

मध्य पूर्व एक बार फिर सत्ता और संघर्ष की दहलीज़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक तीखे और असाधारण बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में खलबली मचा दी है, जिसमें उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के दशकों पुराने शासन को विफल बताते हुए 'नई लीडरशिप' की खुली मांग कर डाली। यह केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि सत्ता परिवर्तन की ओर इशारा करता हुआ सशक्त संकेत माना जा रहा है। यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान भीतर ही भीतर आर्थिक दबाव, सामाजिक असंतोष और जनआक्रोश से जूझ रहा है। ऐसे में सवाल और तीखा हो उठता है—क्या यह महज़ शब्दों की जंग है, या किसी बड़े टकराव की प्रस्तावना?

मध्य पूर्व दहलीज़ पर : शब्दों से हथियारों तक?

'नई लीडरशिप' से 'ऑल-आउट वॉर' तक बढ़ता टकराव

ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों की जड़ें बेहद गहरी और पीड़ादायक हैं। ईंधन सब्सिडी में कटौती से भड़का जनआक्रोश अब बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, राजनीतिक दमन और व्यापक गरीबी के खिलाफ जनांदोलन का रूप ले चुका है। सरकारी आंकड़ों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों में अब तक हजारों लोग जान गंवा चुके हैं। सड़कों पर उतरे युवा, महिलाएं और मजदूर सीधे तौर पर शासन को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। ऐसे माहौल में ट्रंप का यह कहना कि ईरान को नई नेतृत्व व्यवस्था की जरूरत है, प्रदर्शनकारियों के लिए नैतिक समर्थन जैसा लगा, जबकि सत्ता के लिए यह एक सीधी चुनौती बन गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में खामेनेई को न सिर्फ ईरान की बर्बादी का जिम्मेदार ठहराया, बल्कि उन्हें 'सिक मैन' कहकर व्यक्तिगत हमला भी किया। उनका कहना था कि जिस सत्ता की नींव डर और हिंसा पर टिकी हो, वह देश को सम्मान और समृद्धि नहीं दे सकती। ट्रंप का यह रुख नया नहीं है। 2018 में ईरान परमाणु समझौते से बाहर निकलने के बाद से उन्होंने 'मैक्सिमम प्रेशर' नीति अपनाई है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब यह दबाव बयानबाजी से आगे बढ़कर खुले तौर पर सत्ता परिवर्तन की मांग में बदलता दिख रहा है।

ईरानी नेतृत्व की प्रतिक्रिया भी उतनी ही कठोर और आक्रामक रही। सुप्रीम लीडर खामेनेई ने ट्रंप को 'अपराधी' और 'राजद्रोह भड़काने वाला' बताया, जबकि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने साफ चेतावनी दी कि खामेनेई पर किसी भी तरह का हमला पूरे ईरानी राष्ट्र के खिलाफ 'फुल-स्केल वॉर' या 'ऑल-आउट वॉर' माना जाएगा। यह बयान केवल कूटनीतिक भाषा नहीं, बल्कि युद्ध की सीधी धमकी है। इससे साफ हो गया कि ईरान इस मामले को सिर्फ राजनीतिक बयानबाज़ी नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता पर खुला आघात मान रहा है।

इस टकराव की गूंज सिर्फ अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहने वाली। मध्य पूर्व पहले ही संघर्षों की आग में सुलग रहा है—गाजा, यमन, सीरिया और लेबनान के हालात जगजाहिर हैं। यदि अमेरिका और ईरान आमने-सामने आते हैं, तो इसका असर तेल आपूर्ति, वैश्विक बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ेगा। इजराइल और सऊदी अरब जैसे अमेरिकी सहयोगी ट्रंप के रुख से उत्साहित दिखते हैं, जबकि रूस और चीन खुलकर ईरान के पक्ष में खड़े हैं। यह टकराव वैश्विक शक्ति संतुलन को भी गंभीर चुनौती दे सकता है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि अमेरिका की 'रेजीम चेंज' नीति हमेशा स्थिरता नहीं लाती। इराक और लीबिया इसके ठोस उदाहरण हैं, जहां सत्ता परिवर्तन के बाद अराजकता और हिंसा बढ़ी। ईरान की स्थिति और भी जटिल है, क्योंकि वहां सत्ता धार्मिक, सैन्य और राजनीतिक संस्थाओं के मजबूत गठबंधन पर टिकी है। ट्रंप की बयानबाज़ी से अल्पकालिक दबाव जरूर बनता है, लेकिन इससे ईरानी राष्ट्रवाद भी और मजबूत हो सकता है। विदेशी हस्तक्षेप का खतरा अक्सर आंतरिक विरोध को कमजोर करता है—यह सच ईरान पर भी लागू हो सकता है।

ईरान के भीतर हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। इंटरनेट ब्लैकआउट, सोशल मीडिया पर सख्त पाबंदियां और कथित विदेशी तकनीकी मदद के आरोप शासन की बेचैनी को उजागर करते हैं। महिलाएं और युवा इस आंदोलन की अगुवाई कर रहे हैं, जो 2022 के महसा अमीनी आंदोलन की याद दिलाता है, जहाँ हिजाब नियमों के खिलाफ विरोध हुआ था। ट्रंप का बयान इन आंदोलनों को अंतरराष्ट्रीय ध्यान जरूर दिलाता है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि अमेरिकी समर्थन की छाया पड़ते ही शासन दमन और तेज कर सकता है। यही विरोधाभास इस पूरे संकट को और अधिक जटिल बना देता है।

वैश्विक स्तर पर प्रतिक्रियाएं साफ तौर पर बंटी हुई नजर आ रही हैं। यूरोपीय देशों ने संयम और संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है, जबकि अमेरिका के भीतर कई नेता ट्रंप के सख्त रुख के समर्थन में खड़े दिखते हैं। सोशल मीडिया पर ईरान में सत्ता परिवर्तन की मांग वाले हैशटैग तेजी से ट्रेंड कर रहे हैं, वहीं अनेक विश्लेषक इसे खतरनाक उकसावे के रूप में देख रहे हैं। मीडिया में यह बहस तेज हो गई है कि क्या ट्रंप वास्तव में सैन्य कार्रवाई की ओर बढ़ना चाहते हैं या फिर यह महज रणनीतिक दबाव बनाने की कोशिश है। ट्रंप का अतीत बताता है कि उनकी धमकियां कई बार बातचीत की मेज तक पहुंचाने का जरिया भी रही हैं।

आखिरकार सवाल यही बचता है कि क्या यह बयान किसी नए युद्ध का संकेत है या राजनीतिक शतरंज का एक सोचा-समझा दांव। फिलहाल दोनों ओर से बयानबाजी तेज है, लेकिन सीधा सैन्य टकराव अभी टलता हुआ नजर आता है। इसके बावजूद 'ऑल-आउट वॉर' जैसे शब्द माहौल में तैर रहे हैं, जो किसी भी छोटी चिंगारी को भयानक आग में बदल सकते हैं। यह टकराव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर असर डाल सकता है। आने वाला वक्त तय करेगा कि यह संकट संवाद में ढलेगा या इतिहास एक और युद्ध की पटकथा लिखेगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत',
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

टंट्या मामा प्रतिमा घोटाले पर भाजपा पार्षदों का विरोध, फाइबर मूर्ति सप्लाई पर एफआईआर की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जननायक टंट्या मामा की प्रतिमा खरीदी में कथित घोटाले का मामला गहराता जा रहा है। नगर परिषद के भाजपा पार्षदों ने धातु या संगमरमर की बजाय फाइबर की मूर्ति सप्लाई करने वाली पिनाक ट्रेडिंग कंपनी के प्रोपराइटर पर पुलिस कार्रवाई की मांग की है। पार्षदों के एक दल ने गांधी प्रतिमा के पास घटनाक्रम पर अफसोस जताया। इसके बाद वे कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और अपर कलेक्टर रेखा राठौड़ को जनजातीय पार्षदों की मांगों से अवगत कराया। भाजपा समर्थित पार्षद भागीरथ बडोले ने बताया कि जनजातीय समाज के सम्मान में नगर पालिका परिषद ने बिस्टान नाका का नामकरण टंट्या मामा तिराहा करते हुए प्रतिमा स्थापना का निर्णय लिया था। आरोप है कि संगमरमर या धातु की प्रतिमा के बजाय फाइबर की प्रतिमा लगाकर जल्दबाजी में इसका लोकार्पण करा लिया गया। अनुमानित 10 लाख रुपए की लागत के बजाय 75 हजार से 1 लाख रुपए की प्रतिमा लगाई गई। पार्षदों के अनुसार, इस घटनाक्रम से जनजातीय समाज की भावनाओं को गहरा आघात लगा है। हालांकि प्रेसिडेंट इन काउंसिल ने कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया है, लेकिन पार्षदों का कहना है कि यह कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। उनकी मांग है कि धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर पुलिस में कार्रवाई की जाए।

सड़क दुर्घटनाओं पर एनएचएआई का स्टूडेंट्स से संवाद, एक्सीडेंट से परिवार-समाज, अर्थव्यवस्था को भी नुकसान - आशुतोष सोनी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● सड़क दुर्घटनाओं पर रोक और सुरक्षित यातायात व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनएचएआई द्वारा सड़क सुरक्षा माह चलाया जा रहा हैं। इसके तहत सेंट जोसेफ हायर सेकेंडरी स्कूल के ऑडिटोरियम में सड़क सुरक्षा जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार को एनएचएआई के परियोजना निदेशक आशुतोष सोनी ने संबोधित किया। पीपीटी और वीडियो के जरिए दुर्घटनाओं के कारण समझाए गए। स्कूली कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन, चित्रों और वास्तविक सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े वीडियो क्लिप्स के माध्यम से सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। प्रस्तुतीकरण में तेज गति, लापरवाही, हेलमेट

व सीट बेल्ट का उपयोग न करना, मोबाइल फोन का प्रयोग और नशे की हालत में वाहन चलाने जैसे प्रमुख कारणों को उदाहरणों सहित समझाया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि सड़क दुर्घटनाएं केवल जीवन की क्षति ही नहीं करतीं, बल्कि परिवार, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को भी गहरा नुकसान पहुंचाती हैं। दुर्घटनाओं से बचाव के सरल और व्यावहारिक उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। परियोजना निदेशक आशुतोष सोनी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है। यदि हर व्यक्ति ईमानदारी से यातायात नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे प्राप्त जानकारियों को अपने परिवार और समाज तक भी पहुंचाएं। सेमिनार में राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्पलाइन नंबर 1033 की उपयोगिता बताई गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि दुर्घटना, वाहन खराब होने या किसी आपात स्थिति में इस हेल्पलाइन के माध्यम से त्वरित सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट व सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। स्कूल प्रबंधन को सुझाव दिया गया कि विद्यालयी पाठ्यक्रम में तिमाही आधार पर सड़क सुरक्षा विषय को शामिल किया जाए। प्रबंधन ने इस सुझाव का स्वागत करते हुए इसे लागू करने पर सहमति जताई।

गेहूं की फसल में भी इल्लियां, बादल छाए रहने से फसल पर असर

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले में पिछले एक सप्ताह से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। कभी कोहरा तो कभी हल्के बादल छाए रहने से फसलों पर असर दिखने लगा है। इसी वजह से गेहूं और चना की फसलों में इल्ली का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे किसान चिंतित हैं। कोठा बुजुर्ग और देवली क्षेत्र के किसानों ने बताया कि उनके खेतों में गेहूं की फसल पर हरी और पीली इल्लियां दिखाई दे रही हैं। ये इल्लियां गेहूं के हरे दानों को नुकसान पहुंचा रही हैं। इससे फसल की गुणवत्ता और पैदावार पर असर पड़ने की आशंका है। इल्लियों से बचाव के लिए किसान कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उत्पादन घटने की चिंता बनी हुई है। कई किसानों का कहना है कि मौसम ऐसा ही रहा तो नुकसान बढ़ सकता है। जिले में कुल 3.20 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बोई गई हैं। इनमें 1.55 लाख हेक्टेयर में गेहूं और 1.65 लाख हेक्टेयर में चना की फसल है। इस समय दोनों ही फसलें फूल आने की अवस्था में हैं, जो सबसे संवेदनशील समय माना जाता है।

सुक्ता नदी किनारे शिवाबाबा मेला आज से, चार लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● गंभीरपुरा स्थित सुक्ता नदी किनारे 10 दिवसीय शिवाबाबा और माता जगदंबा मेला शुक्रवार से शुरू होगा। इस बार मेले की निगरानी 20 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी, जिनकी संख्या अगले दो-तीन दिनों में और बढ़ाई जाएगी। नेपानगर एसडीएम भागीरथ वाखला ने गुरुवार को मेला स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने झूलों के संचालन में सावधानी बरतने और झाबुआ की घटना को देखते हुए कम संख्या में लोगों को बैठाने के निर्देश दिए। मेले में बड़ी संख्या में झूले लगाए गए हैं।मेले में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात सहित अन्य राज्यों से करीब 4 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। भक्त यहां मन्नतें उतारने और शिवा बाबा व माता जगदंबा को मिठाई का भोग लगाने आते हैं। गुरुवार को भी पांच हजार से अधिक भक्त यहां पहुंचे। मेले में करीब 300 से अधिक दुकानें लगाई गई हैं। नेपानगर एसडीएम भागीरथ वाखला ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई गई है। मेला समिति अध्यक्ष रूपसिंह पंवार ने बताया कि विभिन्न प्रदेशों और मध्य प्रदेश के खंडवा, बड़वानी, खरगोन, इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर जैसे जिलों से श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले में 4 जिलों से पुलिस बल तैनात किया गया है, जो 24 घंटे ड्यूटी पर रहेगा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आने-जाने के लिए अलग-अलग रास्ते रखे गए हैं।

काटकूट जंगल में छात्रों के लिए लगा अनुभूति कैंप, बच्चों को दी गई वन्यजीवों की जानकारी

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह ● प्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड की पहल 'अनुभूति कैंप' के तहत काटकूट वन क्षेत्र में एक विशेष आयोजन किया गया। इसमें शासकीय हाईस्कूल ओखला और बड़ेल के 120 छात्र-छात्राओं ने जंगल, वन्य प्राणी और वन संपदा को करीब से जाना। यह कैंप वन मंडलाधिकारी (छस्नह) भानूप्रकाश बाथम के निर्देशन में संपन्न हुआ। रेंजर बी.एस. मौर्य ने विद्यार्थियों का नेतृत्व करते हुए उन्हें 'नगर वन' का भ्रमण करवाया। वन विभाग की टीम ने गाइड के रूप में बच्चों को जंगल के महत्व और पारिस्थितिकी तंत्र की विस्तृत जानकारी दी। कैंप के दौरान विद्यार्थियों को जंगल में पाई जाने वाली विभिन्न वनस्पतियों, पेड़ों और विशेष रूप से औषधीय पौधों की प्रजातियों और उनकी किस्मों से अवगत कराया गया। इसके अलावा, काटकूट क्षेत्र में विचरण करने वाले वन्य प्राणियों जैसे तेंदुआ, सियार, लकड़बग्घा, हिरण और नीलगाय के बारे में रोचक तथ्य बताए गए। बच्चों को जंगल के संतुलन में इन जीवों की भूमिका समझाई गई। अनुभूति कैंप का उद्देश्य केवल

जानकारी देना नहीं, बल्कि बच्चों को प्रकृति से भावनात्मक रूप से जोड़ना भी था। 'खेल-खेल में शिक्षा' की तर्ज पर कई गतिविधियां आयोजित की गईं, जिससे बच्चों ने वनों से जुड़े तथ्यों को आसानी से समझा। विद्यार्थियों ने वन के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच झूले और चकरी का भी आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी 120 विद्यार्थियों को वन, वन्य प्राणियों और वन संपदा के रक्षण और संरक्षण की शपथ दिलाई गई। बच्चों ने स्वयं प्रकृति की रक्षा करने और दूसरों को जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर काटकूट के सरपंच प्रतिनिधि राकेश बरडे, रामप्रसाद पटेल, बाबूलाल सारंग और वन समिति अध्यक्ष रामकिशन जाट सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जिला अस्पताल में कलेक्टर की समीक्षा बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● बुरहानपुर जिला अस्पताल में गुरुवार दोपहर कलेक्टर हर्ष सिंह ने रोगी कल्याण समिति की बैठक ली। इस बैठक में अस्पताल में मरीजों और डॉक्टरों को होने वाली समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी कमियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए। बैठक में पूर्व में किए गए कार्यों की समीक्षा भी हुई। बताया गया कि दो लिफ्टों की मरम्मत के बाद उनका वार्षिक रखरखाव अनुबंध किया गया है, जबकि तीसरी लिफ्ट की मरम्मत और वार्षिक रखरखाव अनुबंध जल्द किया जाएगा। अस्पताल परिसर में पेड़ों की छंटाई और कटाई का काम पूरा हो चुका है। जनरेटर के लिए नई बैटरी खरीदी गई है। वर्ष 2024-25 और 2025-26 का फायर ऑडिट भी कराया गया है। इसके अलावा, अस्पताल में पानी की टंकियों की सफाई कर जल परीक्षण की रिपोर्ट भी तैयार की गई है। आगामी कार्यों में विधायक निधि से प्राप्त एम्बुलेंस वाहनों की मरम्मत, सर्विसिंग और टायरों का बदलाव शामिल है।

आज विजय अभियान जारी रखने उतरेगी टीम इंडिया

रायपुर (एजेंसी) ● भारत के अभिषेक शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी-20 में 35 गेंदों में 84 रन बनाकर पहले से ही सुर्खियों में हैं और सभी की निगाहें फिर से उन पर होंगी, जब दोनों टीमें शुक्रवार को शाम 7:00 बजे शहीद वीर नारायण ड्क्षसह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भिड़ेंगी। भारत को हालांकि न्यूज़ीलैंड के पलटवार से सावधान रहना होगा, जिसने वनडे सीरीज में पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए अगले दोनों मैच जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। भारत रायपुर में अक्षर पटेल के बिना खेल सकता है, क्योंकि नागपुर में कैच-एंड-बॉलिंग करते हुए उनकी उंगली में चोट लग गई थी। अगर भारत पेसर चुनता है, तो उनकी जगह हर्षित राणा या अगर वे स्पिन-हैवी लाइनअप के साथ जाते हैं तो रवि बिश्नोई को लेने की उम्मीद है। रायपुर की पिच बैट्समैन और बॉलर्स दोनों के लिए एक बैलेंस्ड मुकाबला देती है, लेकिन लक्ष्य का पीछा करना हमेशा से मुश्किल रहा है। मैदान की बड़ी बाउंड्री (75-80 मीटर) बड़ी हिट्क्षटग को मुश्किल बनाती हैं, जबकि स्पिनरों के अहम रोल निभाने की संभावना है।

विशाल भारद्वाज की फिल्म अपने आप में एक एक्टिंग क्लास: तृप्ति डिमरी

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री त्रिप्ति डिमरी कहना है कि विशाल भारद्वाज की फिल्म अपने आप में एक एक्टिंग क्लास होती है। फिल्म 'ओ' रोमियो' के साथ त्रिप्ति डिमरी अपने करियर में एक अहम और दमदार मोड़ जोडने जा रही हैं। इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में त्रिप्ति ने अपने किरदार अफ़्शा को लेकर खुलकर बात की और बताया कि यह रोल उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी गहरा था। उन्होंने यह भी साझा किया कि शूटिंग के दौरान शाहिद कपूर और अविनाश तिवारी ने हर कदम पर उनका साथ दिया। तृप्ति ने कहा फिल्म 'ओ' रोमियो' में काम करने का अनुभव बहुत शानदार था, लेकिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण भी। अच्छी बात यह रही कि विशाल सर हर समय मेरे साथ थे और शाहिद भी। वह सबसे सपोर्टिव को-एक्टर हैं। अविनाश तिवारी भी हमेशा मदद के लिए मौजूद रहे। इस फिल्म में मेरे जितने भी को-एक्टर्स थे, सभी बहुत सहयोगी थे। सच कहूं तो उनके बिना शायद मैं यह रोल निभा ही नहीं पाती। त्रिप्ति ने यह भी बताया कि उन्होंने अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए एक्टिंग वर्कशॉप्स की।

शमी ने अब भी वापसी की नहीं छोड़ी उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी) ● पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम के बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। 35 साल के शमी ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की थी। इसके बाद भी उन्हें न्यूजीलैड के खिलाफ एकदिवसीय ओर टी20 सीरीज के शामिल नहीं किया गया। वहीं शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है। इससे अंदाजा होता है कि वह निराश नहीं है और टीम में वापस को लेकर सकारात्मक रुख रख रहे हैं।

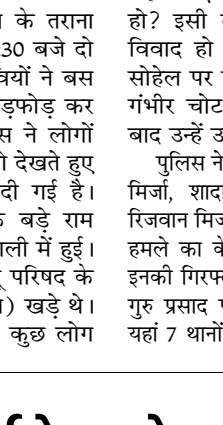

शमी ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से पिछले साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था पर उसके बाद वह चोटिल होने के कारण टीम के बाहर हो गये थे। इस दौरान वह सर्जरी से भी गुजरे। इसके बाद से ही वह टीम में जगह का इंतजार करते रहे हैं। टीम से बाहर होने के बाद शमी ने अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया पर इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उनकी अनदेखी की। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यहां तक कह दिया कि उन्हें शमी की फिटनेस के बारे में जानकारी नहीं है। शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए पहले रणजी ट्रॉफी और उसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और फिर विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की है। इसके बाद भी उन्हें पहले इंग्लैंड फिर दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया। ऐसे में लगातार अपनी उपेक्षा से निराश शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है।

रोहित और विराट से मतभेद की खबरें आधारहीन : गंभीर

वडोदरा (एजेंसी) ● भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा से उनके मतभेदों को लेकर जो बातें मीडिया में आती रही हैं। वे अधार हीन हैं। गंभीर ने कहा कि इस प्रकार की रिपोर्ट जब वह पड़ते हैं तो उन्हें हंसी आ जाती है। पिछले साल जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी तब एकदिवसीय सीरीज के दौरान ऐसी खबरें आईं कि विराट और गंभीर के बीच बातचीत नहीं है। वहीं रोहित के साथ बातचीत तो बंद नहीं है पर दोनो के संबंध ठीक नहीं हैं। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित और विराट के टेस्ट से संन्यास के पीछे भी गंभीर जिम्मेदार हैं। इसके अलावा अब वह इन्हें एकदिवसीय से भी बाहर करना चाहते हैं। इस प्रकार की बातों को गंभीर ने गलत बताया है। गंभीर ने सोशल मीडिया में लिखा है, कोच के जिस असीमित अधिकार की बातें की जा रही हैं उसमें भी कोई सच्चाई नहीं है। तब तक तो मुझे इस पर हंसी आ रही है कि मुझे अपनों के खिलाफ ही खड़ा किया जा रहा है जबकि वे बेस्ट हैं। गंभीर जब से टीम इंडिया के कोच बने हैं तब से भारतीय टीम का टेस्ट में प्रदर्शन खराब हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को घरेलू धरती पर भी हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे न्यूजीलैंड ने क्लीन स्वीप किया और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हराया। इसके बाद से ही उन्हें हटाने की भी मांग उठाती रही है। इसके अलाव कई पूर्व क्रिकेटरो ने भी हर प्रारुप में अलग-अलग कोच की मांग की है।

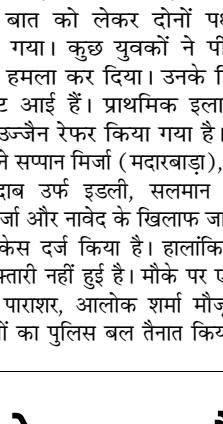

प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई मानुषी छिल्लर ने

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने भी अपने अतीत के पन्ने खोले हैं और अपने संघर्ष भरे लेकिन प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई है। मानुषी छिल्लर ने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी मॉडलिंग फोटो और एमबीबीएस की छात्रा के दौर की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक लंबा और दिलचस्प कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि साल 2016 उनके जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार समय था। मानुषी ने लिखा कि उस एक साल में वह बिल्कुल मशहूर टीवी सीरीज 'हैना मोंटाना' की तरह दोहरी जिंदगी जी रही थीं। एक तरफ वह कॉलेज और एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं, तो दूसरी तरफ मिस इंडिया चुने जाने के बाद अपने शुरुआती फोटोशूट और मॉडलिंग असाइनमेंट्स को संभाल रही थीं। मानुषी ने बताया कि शनिवार को क्लास खत्म होने के बाद उन्होंने एंट्री फॉर्म के लिए अपनी पहली कुछ तस्वीरें क्लिक करवाई थीं। इसके बाद उन्हें पहला कैंपेन मिला और फिर एक के बाद एक कई ऑफर्स आते चले गए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें धीरे-धीरे एहसास हुआ कि बायोकेमिस्ट्री शायद उनके जीन में नहीं है, लेकिन बाकी सब कुछ जरूर है। उन्होंने अपनी पहली क्लिनिकल पोस्टिंग का जिक्र करते हुए लिखा कि जनरल सर्जरी के दौरान कोई बेहोश हो गया था, लेकिन वह खुद नहीं थीं, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

उज्जैन संभाग

तराना में हिंसक झड़प, 11 बसें तोड़ी, छह लोगों के खिलाफ केस, धारा 144 लागू

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मध्यप्रदेश में उज्जैन के तराना कस्बे में गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे दो पक्षों में विवाद हो गया। उपद्रवियों ने बस स्टैंड पर खड़ी 11 बसों में तोड़फोड़ कर दी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लोगों को बलपूर्वक खदेड़ा। स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दी गई है। विवाद की शुरुआत तराना के बड़े राम मंदिर के सामने स्थित सुखला गली में हुई। यहां मंदिर के सामने विश्व हिंदू परिषद के नगर मंत्री सोहेल ठाकुर (बुंदेला) खड़े थे। इसी दौरान ईशान मिर्जा सहित कुछ लोग वहां आए। कहने लगे कि यहां क्यों खड़े हो? इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। कुछ युवकों ने पीछे से सोहेल पर हमला कर दिया। उनके सिर में गंभीर चोट आई हैं। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें उज्जैन रेफर किया गया है।

पुलिस ने सप्पान मिर्जा (मदारबाड़ा), ईशान मिर्जा, शादाब उर्फ इडली, सलमान मिर्जा, रिजवान मिर्जा और नावेद के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज किया है। हालांकि अभी इनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। मौके पर एएसपी गुरु प्रसाद पाराशर, आलोक शर्मा मौजूद हैं। यहां 7 थानों का पुलिस बल तैनात किया गया है। मारपीट की सूचना फैलते ही हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और तराना थाने का घेराव कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। मामले में एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि तराना के सोहेल ठाकुर के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की थी। इसके बाद 6 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज किया गया है फिलहाल, क्षेत्र में शांति है। उज्जैन, माकड़ौन सहित अन्य जगह से पुलिस फोर्स बुलाया गया है।

नल से कीड़े निकलने की शिकायत पर कनेक्शन काटा, पानी में पेड़ों की जड़ें इसलिए काटा- महापौर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से लगातार हो रही लोगों की मौत के बाद भी उज्जैन की पाइप लाइनों में दूषित पेयजल सप्लाई हो रहा है। उज्जैन में रविवार को गणगौर दरवाजे के सामने लगे सरकारी नल से पानी भरने के दौरान पानी में बड़ी संख्या में कीड़े दिखाई देने का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसी नल से जुड़ी सभी पाइप लाइन सीवेज के पानी से होकर आ रही थी। वार्ड 21 के कार्तिक चौक सिंह पुरी, खटीक वाड़ा में बीते कई महीनों से गंदा पानी आ रहा है। कई बार शिकायत की, लेकिन कोई निराकरण नहीं हुआ। खबर दिखाई जाने के बाद पीएचई कर्मचारियों ने नल कनेक्शन की सप्लाई लाइन ठीक करने की जगह उस नल को कनेक्शन को ही काट दिया जिस नल से रोजाना सैकड़ों लोग पानी भरते थे।

महापौर मुकेश टटवाल ने कनेक्शन काटने की बात स्वीकार करते हुए बताया कि पानी में पेड़ों की जड़ आ रहीं थी। इसलिए कनेक्शन काट दिया। उन्होंने यह भी बताया कि उक्त क्षेत्र में बोरिंग से पानी दिया जा रहा है। जबकि मौके पर कोई बोरिंग नजर नहीं आया। बुधवार को जल कार्य समिति प्रभारी प्रकाश यादव ने दावा किया था कि घरों में साफ पानी सप्लाई हो रहा है। उज्जैन में भी नल के पानी को लेकर हड़कंप मच गया है। शहर के कई इलाकों में नलों से गंदा पानी और कीड़े निकलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। बुधवार को ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें नल से निकलते पानी में बड़ी संख्या में कीड़े दिखाई दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उज्जैन संभाग में अलर्ट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मध्यप्रदेश के धार स्थित भोजशाला में पूजा और नमाज को लेकर सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद उज्जैन समेत पूरे संभाग में पुलिस प्रशासन अलर्ट पर है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि भोजशाला परिसर में हिंदू पक्ष सुबह से दोपहर 12 बजे तक पूजा कर सकेगा। दोपहर 12 बजे के बाद मुस्लिम पक्ष नमाज अदा करेगा। इसके बाद शाम 4 बजे से हिंदू पक्ष को पुन: पूजा की अनुमति दी गई है। यह निर्णय हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से दायर याचिका पर आया है।संगठन ने 20 जनवरी को याचिका दायर कर 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति मांगी थी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने की, जिस पर 22 जनवरी को फैसला सुनाया गया।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के मद्देनजर उज्जैन पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि शहर में अलर्ट मोड पर लगातार चेकिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुराने चिह्नित व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा, शहर में आने-जाने वाले लोगों की भी निगरानी की जा रही है। बुधवार देर रात पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने स्वयं शहर में रात्रि गश्त का निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को कानून-व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

चक्रतीर्थ शोकसभा स्थल का कायाकल्प, डोम शेड और नई सुविधाएं भी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● चक्रतीर्थ शोकसभा स्थल पर अब एलईडी के माध्यम से आध्यात्मिक स्लाइड शो प्रदर्शित किए जाएंगे और साउंड सिस्टम पर भजन सुनाई देंगे। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उज्जैन नगर निगम द्वारा महापौर मद से एक करोड़ रुपए की राशि से निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य कराए गए हैं।

महापौर मुकेश टटवाल ने बताया कि लगभग 74 लाख रुपए की लागत से 80 मीटर लंबे विशेष डोम फैब्रिक शेड का निर्माण किया गया है। इसके अलावा चक्रतीर्थ दाह संस्कार स्थल पर 30 लाख रुपए से अधिक के विकास और सौंदर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं। अंत्येष्टि के बाद शोकसभा स्थल पर रंगाई-पुताई, गीता के सार से जुड़े स्लोगन और चलित एलईडी के जरिए आध्यात्मिक स्लाइड शो साउंड सिस्टम के साथ प्रदर्शित किए जाएंगे। सुविधाओं के विस्तार के तहत 50 से अधिक स्टील कुर्सियां, उद्यान में नया फव्वारा, वाटर कूलर, प्याऊ, स्नानघर और शौचालय की व्यवस्था की गई है। दाह संस्कार स्थल पर नए चद्दर शेड और ओटलों का निर्माण किया गया है, जबकि चित्रकारी के माध्यम से यम, सुदर्शन चक्र, भगवान शंकर और स्वच्छता संदेशों की आकर्षक आकृतियां भी बनाई गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

गोदामों में सुरक्षा के संबंध में कॉन्फ्रेंस का हुआ आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल के नवाचार पर श्री पहल की श्रंखला के तहत संचालनालय, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा द्वारा गुरूवार को गोदामों में सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अनिवार्य सुरक्षा उपायों के पालन के विषय पर एक वर्चुअल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस में वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के अधिकारी, गोदाम स्वामी एवं प्रबंधन प्रतिनिधि सम्मिलित हुए, जिसमें लगभग 500 प्रतिभागियों की सहभागिता रही। कॉन्फ्रेंस में गोदामों में दुर्घटना-निवारण, अग्नि जोखिम प्रबंधन, सुरक्षित भण्डारण, मशीन एवं उपकरण सुरक्षा तथा संरचनात्मक सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गयी।

16वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशानुसार 25 जनवरी को 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाएगा। इंदौर में इस अवसर पर 25 जनवरी को प्रात: 11 बजे कलेक्टर कार्यालय इंदौर के सभाकक्ष -210 में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा करेंगे। आयोग के निर्देशानुसार 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम 'मेरा भारत, मेरा वोट है'।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान नारी सशक्तिकरण का राष्ट्रीय आंदोलन बना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान नारी सशक्तिकरण का राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है।

धार भोजशाला में याचिका लगाने वाले को पुलिस ने उठाया हैबियस कार्पस लगी तो इंदौर हाईकोर्ट के बाहर छोड़ गए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

धार ● धार भोजशाला को लेकर सुप्रीम कोर्ट से लेकर इंदौर हाईकोर्ट ने बसंत पंचमी पर शांति से आयोजन को लेकर गुरुवार को अहम आदेश जारी कर दिए। लेकिन इसके पहले पुलिस पर गंभीर आरोप लगे। इंदौर हाईकोर्ट में याचिका लगाने वाले जेबरान अंसारी गायब हो गए।

जब पत्नी ने हैबियस कार्पस लगाई तो उन्हें कुछ लोग इंदौर हाईकोर्ट के बाहर छोड़ गए। कोर्ट में उसने बयान दिया कि पुलिस वाले उठाकर ले गए थे। दबाव बनाया कि याचिका वापस लें, लेकिन अंसारी छूट गए तो उन्होंने मामले को आगे नहीं बढ़ाया और कोर्ट में याचिका खत्म हो गई।

इस तरह हुई पूरी घटना

दरअसल भोजशाला में नमाज के लिए बसंत पंचमी पर मंजूरी के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई। यह याचिका सुनवाई के लिए गुरुवार को मेंशन हुई। इसी दौरान बुधवार को याचिकाकर्ता जेबरान अंसारी गायह हो गए। इसके बाद उनकी पत्नी ने इसकी शिकायत धार पुलिस को की, लेकिन पता नहीं चला।

इसके बाद गुरुवार सुबह पत्नी ने हैबियस कार्पस लगा दी और अधिवक्ता अशहर वारसी ने मेंशन ले लिया। इस पर सुनवाई शुक्रवार को करने की बात जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने की। इसी बीच अंसारी को इंदौर हाईकोर्ट के बाहर दो नंबर गेट पर करीब साढ़े ग्यारह बजे कोई छोड़ गया। फिर अधिवक्ता अशहर वारसी ने कोर्ट में खढ़े होकर बताया कि अपीलकर्ता आ गया है। इस पर बेंच ने उन्हें बयान के लिए बुलाया।

फिर कोर्ट में बताई अंसारी ने पुलिस की कहानी

अंसारी ने कोर्ट में बताया कि वह बुधवार सुबह जा रहे थे तभी बदनावार के पास कार अड़ाकर कुछ लोगों ने मुझे रोका और अपने साथ बैठा लिया। फिर मुझ पर धारा 151 लगाकर बदनावर जेल भेज दिया। यह कार्रवाई धार पुलिस द्वारा की गई। मुझ पर भोजशाला को लेकर याचिका वापस लेने का दबाव बनाया गया। फिर आज गुरुवार सुबह मुझे यहां कोर्ट के बाहर छोड़ गया। मुझे हंसते हुए हाथ हिलाने के लिए कहा और वीडियो बनाया।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह लिखा

याचिकाकर्ता के पति को धार जिला पुलिस द्वारा अवैधानिक डिटेन करने का आरोप है। साथ ही है कि उसने बदनावर जेल भेजा गया। कोर्ट इस मामले को लेती इसके पहले ही उसे छोड़ दिया गया। उसे कोर्ट के बाहर छोड़ा गया। इसकी जानकारी कोर्ट को दी गई। वहीं धार कलेक्टर ने इस मामले में बताया कि उनके द्वारा कोई कस्टडी याचिकाकर्ता के पति की नहीं ली गई थी। अब याचिकाकर्ता के पति कस्टडी में नहीं है, इसलिए यह हैबियस कार्पस याचिका अब सुनवाई योग्य नहीं रह गई है।

इंदौर ईओडब्ल्यू का बड़ा एक्शन

फर्जीवाड़ा कर कॉलोनी काटने वालों पर एफआईआर दर्ज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के प्रॉपर्टी बाजार में एक बड़ा खुलासा हुआ है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने एक बड़े भूमाफिया नेटवर्क पर शिकंजा कसा है। यह मामला ग्राम पिपल्या लोहार और खडराखेड़ा की 'गिरिराज कॉलोनी' से जुड़ा हुआ है। यहां के डायरेक्टरों ने सरकारी विभागों को धोखे में रखकर फर्जी ले-आउट पास कराया। अब पुलिस ने इन सभी जालसाजों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

जनता के लिए चेतावनी : प्लॉट लेने से पहले क्या करें?

इस घटना ने इंदौर के रियल एस्टेट में हड़कंप मचा दिया है। अगर आप भी इंदौर में प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, तो केवल कागजों पर भरोसा न करें। रेरा की वेबसाइट पर जाकर प्रोजेक्ट का अप्रूवल जरूर चेक करें। साथ ही, मौके पर जाकर रास्ते और सुविधाओं की खुद पुष्टि करें।

धोखेबाजी का खेल: कागजों पर सड़क

इस पूरे घोटाले की शुरुआत मेसर्स सुन्दरम रियल इन्फ्रा प्रा.लि. की शिकायत से हुई। डायरेक्टर पवन नारंग ने बताया कि दृष्टि देवकॉन ने नियमों की धज्जियां उड़ाई हैं। इन्होंने टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग को पूरी तरह गुमराह किया। कागजों में कॉलोनी का रास्ता 9 मीटर यानी करीब 30 फीट चौड़ा दिखाया गया, लेकिन जब जांच टीम मौके पर पहुंची, तो सच्चाई कुछ और ही निकली। असल में वहां मात्र 8 से 10 फीट का एक संकरा सा मार्ग था।

जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

जब ईओडब्ल्यू और टीएंडसीपी के संयुक्त संचालक ने स्थल निरीक्षण किया, तो सब हैरान रह गए। रिपोर्ट में साफ कहा गया कि मौके पर पहुंच मार्ग है ही नहीं। आरोपियों ने सोची-समझी साजिश के तहत सरकारी अफसरों से सांठ-गांठ की। उन्होंने गलत नक्शा पेश कर आवासीय प्लॉट काटने की मंजूरी हासिल कर ली। इस फर्जीवाड़े से प्लॉट खरीदने वाले मासूम लोग अब खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

कानूनी कार्रवाई और धाराओं का जाल

पुलिस ने प्राथमिक जांच में पाया कि यह केवल एक गलती नहीं थी। यह अवैध लाभ कमाने की नीयत से किया गया एक आर्थिक अपराध है। इसीलिए आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड विधान की कड़ी धाराएं लगाई गई हैं।

जीतू पटवारी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर की सीएम डॉ. यादव के इस्तीफे की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जिलों की कार्यप्रणाली पर टिप्पणी करते हुए यह कथन सामने आया है कि 'कोई भी कलेक्टर बिना पैसे लिए काम नहीं करते।' इसे गंभीर प्रशासनिक पतन बताते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से तत्काल इस्तीफा लिया जाए।

इसी के साथ उन्होंने पीएम से तत्काल स्वतंत्र जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग भी की है। अपने पत्र में उन्होंने लिखा है कि 'अपेक्षा है कि आप इस मामले में राजनीतिक संरक्षण से परे जाकर त्वरित निर्णय लेंगे और मध्य प्रदेश के नागरिकों को जवाबदेही व न्याय का भरोसा दिलाएंगे।'

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर राज्य में प्रशासनिक भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। यह पत्र मुख्य रूप से मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव द्वारा कथित तौर पर दिए गए बयान पर आधारित है, जिसमें उन्होंने कहा है कि 'कोई भी कलेक्टर बिना पैसे लिए काम नहीं करते'। जीतू पटवारी ने इसे भ्रष्टाचार के संस्थागत स्वरूप का प्रमाण बताते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री से इस्तीफा लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सीएम मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य व्यवस्था पर नियंत्रण समाप्त होता दिख रहा है और इस आधार पर नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उनका इस्तीफा लिया जाए।

भ्रष्टाचार का संस्थागत रूप : उनका आरोप है कि यह सिर्फ व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि एक संरचित नेटवर्क के रूप में काम कर रहा है, जहां ठेके, योजनाएं, स्थानांतरण और शिकायत निवारण सब पैसे पर आधारित हो गए हैं।

प्रधानमंत्री से की सीएम मोहन यादव का इस्तीफा लेने सहित अन्य मांगें-जीतू पटवारी ने इस मामले में नैतक आधार पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का इस्तीफा लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव का यह कथन यह मध्यप्रदेश के प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार के संस्थागत रूप और 'लेन-देन आधारित शासन' का प्रत्यक्ष संकेत है। यदि यह कथन गलत या तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है, तब भी सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह तत्काल स्थिति स्पष्ट करे, क्योंकि यह आरोप प्रदेश के शासन-प्रशासन की साख को गहराई से प्रभावित करता है।

शहर में जल-मल की समस्या के समाधान के लिए बनेगी विशेषज्ञों की कमेटी- महापौर

जलप्रदाय, मल निकासी प्राधिकरण के गठन के लिए राज्य सरकार के समक्ष की जाएगी पहल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम द्वारा जलप्रदाय और मल निकासी प्राधिकरण के गठन के लिए राज्य सरकार के समक्ष पहल की जाएगी। इंदौर में जल और मल की समस्याओं को चिन्हित करने और उनका समाधान बताने के लिए विशेषज्ञों की एक कमेटी का गठन किया जाएगा। यह जानकारी महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इंदौर उत्थान अभियान द्वारा आयोजित की गई बैठक के दौरान दी।

इंदौर उत्थान अभियान के प्रमुख अजीतसिह नारंग ने सबसे पहले पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया। इस प्रेजेंटेशन में उन्होंने बताया कि इंदौर में सप्लाय किए जाने के दौरान नर्मदा पेयजल योजना का 34 प्रतिशत पानी बर्बाद होता है।

शहर में जलप्रदाय को व्यवस्थित करने और ड्रेनेज का निस्तारण करने के लिए 1973 में पहली बार प्रकाशचंद्र सेठी ने जलमल बोर्ड के गठन की पहल की थी। वर्ष 1978 में जब राजेंद्र धारकर प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री थे, तब उनके द्वारा भी इस तरह के बोर्ड के गठन को मंजूरी दी गई थी। राज्य सरकार ने 1979 में इस तरह के बोर्ड के गठन को मंजूरी दी थी। कैलाश विजयवर्गीय जब महापौर इंदौर थे, तब उन्होंने भी इस प्राधिकरण के गठन हेतु शासन को लिखा था कि हमें शहर में जलकर की दर का युक्तियुक्तकरण करना चाहिए। शहर के बुद्धिजीवियों द्वारा दिए गए सुझावों को स्वीकार करते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि संपत्तिकर नहीं भरने पर हम व्यक्ति की संपत्ति को सील कर देते हैं, लेकिन जलकर नहीं भरने पर नल कनेक्शन नहीं काटा जाता है, क्योंकि हमें मानवता को देखना है। इंदौर में हर घर जल पहुंचाने पर 1000 रु. खर्च आता है। हम नागरिकों से 300 रु. प्रतिमाह जलकर लेते हैं। इस तरह से हर घर तक पानी पहुंचाने में 700 रु. प्रतिमाह का घाटा है। नर्मदा पेयजल योजना का बिजली का बिल 350 करोड़ रुपए प्रति वर्ष का होता है। सोलर पैनल शुरू हो जाने पर इसमें 60 करोड़ रुपए प्रति वर्ष की बचत होगी। सैद्धांतिक तौर पर वे जलप्रदाय मल निकासी प्राधिकरण के विचार से सहमत हैं। इसके लिए हम राज्य सरकार के समक्ष प्रस्ताव लेकर उसके क्रियान्वयन के लिए आग्रह करेंगे।

नन्हे शावक को मुंह में दबाकर ले जाती दिखी बाघिन

जू में बढ़ा बाघों का कुनबा, सफेद बाघिन 'पहर' ने 3 शावकों को दिया जन्म

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में बाघों के कुनबे में इजाफा हो गया। बाघिन पहर ने तीन शावकों को जन्म दिया है। बुधवार को बाघिन एक शावक को मुंह में दबाकर ले जाते हुए नजर आई। चिड़ियाघर में जन्मे तीन में से दो सफेद शावक पर काले रंग की धारियां हैं और बाकी दोनों पर पीले व काले रंग की धारियां हैं। बता दें कि इंदौर प्रदेश का ऐसा चिड़ियाघर है जहां पीले, सफेद और काले तीनों रंग के बाघ हैं।

चिड़ियाघर के अनुसार बाघिन के गर्भकाल के दौरान उसकी विशेष निगरानी की जा रही थी। अनुमान था कि मेलानिस्टिक (ब्लैक) टाइगर से मेटिंग के चलते ब्लैकधारी शावकों का जन्म हो सकता है, लेकिन बाघिन ने दो सफेद और एक सामान्य रंग के शावक को जन्म दिया है। चिड़ियाघर प्रबंधन द्वारा बाघिन और शावकों की निगरानी की जा रही है। फिलहाल बाघिन ही शावकों की देखभाल कर रही है।

10 से 15 दिन में शावकों की गतिविधियां दर्शकों को देखने को मिल सकती हैं, जो प्राणी संग्रहालय के लिए आकर्षण होंगी। इस जन्म के साथ ही चिड़ियाघर में बाघों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। यह 'पहर' की दूसरी संतान है। इससे पहले 24 फरवरी 2025 को भी उसने तीन शावकों को जन्म दिया था। उसी दौरान शेरनी 'सुंदरी' ने भी दो शावक दिए थे। सितंबर 2025 में मेलानिस्टिक (ब्लैक) टाइगर की व्हाइट फीमेल टाइगर से मेटिंग कराई गई थी। इससे पूरी तरह काले रंग के टाइगर के जन्म की संभावना जताई जा रही थी। यदि ऐसा होता तो यह देश में अपनी तरह का एक अनोखा प्रयोग होता और संभवत: भारत का पहला पूर्णत: ब्लैक टाइगर होता।

7 से 8 दिन में मिलता है एक टैंकर, महिलाओं को रुकवाने से पहले केयर टेकर बताती है पानी की समस्या

बगैर पानी के रैनबसेरा, टैंकर के भरोसे, जरूरतमंदों को नहीं मिल पाता है आसरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम का बापट चौराहे पर बना रैनबसेरा पानी की कमी के कारण जरूरतमंदों को आसरा नहीं दे पा रहा है। पानी नहीं होने के कारण यहां आने वाले उलटे पांव वापस लौट जाते हैं। यहां तक कि सुखलिया क्षेत्र में कई अस्पताल हैं, जहां बड़ी संख्या में मरीजों के परिजन रात गुजारने के लिए ठहरने का स्थान खोजते हैं। यहां रुकने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं भी आती हैं, लेकिन पानी की कमी की समस्या रैनबसेरे की केयर टेकर पहले ही स्पष्ट कर देती है, जिसके कारण महिलाएं भी यहां नहीं ठहर पातीं।

महिलाओं को उठानी पड़ती है परेशानी- रैनबसेरे की केयर टेकर बबीता चौहान ने बताया कि नगर निगम यहां बोरिंग करवा दे तो यहां ठहरने वालों की परेशानी दूर हो जाएगी। पानी खत्म होने पर सुखलिया पानी की टंकी से पानी की व्यवस्था बाल्टियों से बुलवाकर करनी पड़ती है। कभी-कभी तो महिलाओं को यहां ठहराने से पहले इस असुविधा की जानकारी देना पड़ता है, जिसके बाद महिलाएं पास के सुलभशौचालय का उपयोग करती हैं और रैनबसेरे में रात रुकती हैं, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में महिलाएं रुकने आती हैं। यहां बड़ी संख्या में अस्पताल हैं और मरीजों के परिजन रात ठहरने आते हैं।

पानी की कमी बताई

सांवेर के अजनोद गांव से अपनी बहू का प्रसव करवाने आई रामबाई मालवीय ने बताया कि बापट अस्पताल में मरीज के साथ एक से अधिक परिजन को रुकने की अनुमति नहीं है, इसलिए हम यहां रैनबसेरे में रुकना चाहते थे, लेकिन पानी की कमी के कारण बताया गया कि यहां रुक सकते हैं, लेकिन पानी की कमी कभी हो सकती है, इसलिए पास ही बने सुलभशौचालय का उपयोग करना पड़ सकता है।

सालभर बनी रहती है पानी की समस्या

सुखलिया चौराहे के रैनबसेरे को संचालित करने की जिम्मेदारी नगर निगम ने मां आस्था एनजीओ को दी गई। यहां की केयर टेकर बबीता चौहान बताती हैं कि 30 बेडवाला यह रैनबसेरा है, जहां 10 बेड महिलाओं और 20 बेड पुरुषों के लिए हैं। जरूरत पड़ने पर इसकी संख्या बढ़ाई जा सकती है, लेकिन यह रैनबसेरा पानी की कमी से जूझ रहा है, जिसके कारण जरूरतमंद भी इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। यहां बोरिंग नहीं होने के कारण पानी की कमी हमेशा बनी रहती है। पानी का टैंकर नगर निगम से मंगाना पड़ता है, जिसमें भी 7 से 8 दिन का समय लगता है। एक टैंकर 4 दिन चलता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।